सूविचार
एक बुद्धिमान व्यक्ति के प्रश्न में ही आधा उत्तर छिपा रहता है।

दैनिक
इंटरनल न्यूज
सच की तह तक....

internalnews@gmail.com www.internalnews.com

वर्ष : 11 | अंक : 320 | पृष्ठ : 08 | मूल्य 1 रूपये | भोपाल, शुक्रवार 13 फरवरी 2026 | RNI NO. MPHIN/2015/61965

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया भवन विकास निगम के प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सिस्टम 2.0 पोर्टल लॉंच

भवन निर्माण में उत्कृष्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालीन कार्य योजना अपनाये

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि निर्माण सिर्फ ईंट पत्थर का संयोजन नहीं, एक अभिनव कला है। इसमें उत्कृष्ट दृष्टिकोण के साथ दीर्घकालिक कार्य योजना को अपनाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बदलते समय की आवश्यकताओं के अनुरूप अब हर निर्माण कार्य में कन्सेप्चुअल और [।लिटेटिव एप्रोच अनिवार्य रूप से दिखाई देना चाहिए। गुणवत्ता से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

» मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इंजीनियर्स की एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला का किया शुभारंभ

प्रदेश के विकास के लिए हम सभी को पूरी क्षमता दक्षता से काम करना होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव गुरुवार को रवीन्द्र भवन में लोक निर्माण विभाग अन्तर्गत मध्यप्रदेश भवन विकास निगम द्वारा आयोजित एक दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला सह प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। लोक निर्माण विभाग के तकनीकी अधिकारियों, वरिष्ठ एवं कनिष्ठ अभियंताओं को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वैचारिक प्रतिबद्धता और कार्यशैली में जड़ता से बचने और बदलती तकनीकों के अनुरूप स्वयं को अद्यतन रखने के लिए कौशल संवर्धन अत्यंत आवश्यक है। ऐसी कार्यशालाएं अभियंताओं की स्किल्स को रिफ्रेश करती हैं और उन्हें नई ऊर्जा प्रदान करती हैं। उन्होंने निर्माण कार्यों में दीर्घकालिक दृष्टि, नवाचार और पारदर्शिता को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में पीएम गतिशक्ति योजना के माध्यम से लोक निर्माण विभाग नवाचारों को धरातल पर उतार रहा है। वर्तमान समय में हमारे इंजीनियर्स साक्षात् भगवान विश्वकर्मा के अवतार हैं। लोक निर्माण विभाग ने पिछले 2 वर्षों के कार्यों के आधार पर अपनी एक विशिष्ट पहचान बनाई है। इस अवधि में सराहनीय कार्य हुए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि गीता के अंतिम अध्याय में ज्ञान और विज्ञान की बात कही गई है, जिसमें मन, बुद्धि और अहंकार के साथ पंच तत्वों की व्याख्या की गई है। लोक निर्माण विभाग के इंजीनियर्स की यह कार्यशाला आधुनिक संरचनाओं के निर्माण को गति प्रदान करने के लिए महत्वपूर्ण पहल है। हमारे इंजीनियर्स ने सांदीपनि विद्यालय सहित बड़े-बड़े अधोसंरचनात्मक विकास के निर्माण कार्य किए हैं। सड़क, पुल, स्टेडियम और भवन जैसे निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग के माध्यम से ही किये जाते हैं। विभागीय इंजीनियर्स की क्षमता संवर्धन के लिए समय-समय पर प्रशिक्षण की आवश्यकता भी है। उन्होंने कहा कि इंजीनियर्स को अपना काम करने में अनेक चुनौतियों का भी सामना करना पड़ता है। आज की कार्यशाला में एमपीआईडीसी सहित देश की विभिन्न संस्थाओं के साथ समझौते हुए हैं। प्रदेश में ग्रीन बिल्डिंग के विकास को लेकर सहमति बनी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी कार्यों और नवाचारों के लिए लोक निर्माण मंत्री एवं विभाग को बधाई दीं। लोक निर्माण मंत्री श्री राकेश सिंह ने क्षमता संवर्धन कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि यह केवल एक प्रशिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि विभाग की उस निरंतर सुधार यात्रा का प्रतीक है जिसमें नई सोच, नई प्रणाली और उच्च गुणवत्ता के साथ लोक निर्माण विभाग आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि जब सोच बदलती है तभी व्यवस्था बदलती है, और यह कार्यशाला विभाग के नवाचारों की श्रृंखला का एक महत्वपूर्ण कदम है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में देश में अधोसंरचना विकास को केवल निर्माण कार्य तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि उसे सुशासन, पारदर्शिता, तकनीक और नागरिक सुविधा से जोड़ा गया है। उन्होंने प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान, डिजिटल इंडिया, ईज़ ऑफ डूइंग बिज़नेस, हरित विकास और आत्मनिर्भर भारत जैसे कार्यक्रमों का उल्लेख करते हुए कहा कि अब विकास समन्वित सोच के साथ आगे बढ़ रहा है। मंत्री श्री सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव के दूरदर्शी नेतृत्व में मध्यप्रदेश ने अधोसंरचनात्मक विकास को नई गति और दिशा दी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्पष्ट संदेश है कि निर्माण केवल संरचना नहीं, बल्कि भविष्य की नींव है। समयबद्धता, गुणवत्ता, पारदर्शिता और पर्यावरणीय संवेदनशीलता अब विभाग की कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनती जा रही है। उन्होंने कहा कि सीखने की कोई उम्र नहीं होती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लोक निर्माण विभाग के लिए 293 इंजीनियर्स के पद भरने की स्वीकृति प्रदान की है। इसके लिए विभागीय स्तर पर कार्य जारी है। मंत्री श्री सिंह ने बताया कि प्रोजेक्ट मैनेजमेंट मैन्युअल 2.0 विभाग की महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो सरकारी भवन निर्माण परियोजनाओं के लिए एक समग्र मार्गदर्शिका का कार्य करेगा।

संक्षिप्त समाचार

हरियाणा में अब मौसम अनुकूल नहीं, वीआईपी उड़ान को अनुमति नहीं होगी

गुरुग्राम। हरियाणा में अब खराब मौसम के दौरान वीआईपी और वीवीआईपी उड़ानों पर सख्ती लागू की जा रही है। हरियाणा में मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर भी इस नियम से बाहर नहीं होगा। सिविल एविएशन विभाग ने राज्य के विमानों और हेलिकॉप्टरों की उड़ान संचालन के लिए नया टेंडर जारी कर दिया है, जो 26 फरवरी को खोला जाएगा। इस टेंडर से स्पष्ट है कि अब मौसम अनुकूल न होने पर किसी भी वीआईपी उड़ान को अनुमति नहीं होगी। हरियाणा की नायाब सरकार ने ई-फ्लाइट प्लानिंग, रियल-टाइम वेदर रिपोर्ट, नेविगेशन अलर्ट, फ्लाइट डिस्पैच और लोड कंट्रोल जैसी व्यवस्थाओं को अनिवार्य किया है। हर उड़ान से पहले ऑनलाइन फ्लाइट प्लान दाखिल करना होगा और फ्लाइट इंफॉर्मेशन सेंटर तथा एयर डिफेंस से क्लीयरेंस लेनी होगी। संबंधित रूट के नोटम (नोटिस टू एयरमेन) और ताजा मौसम रिपोर्ट की जांच जरूरी होगी। बिना विस्तृत मौसम रिपोर्ट के हेलिकॉप्टर या विमान उड़ान नहीं भर सकते है। टेंडर में स्पष्ट किया गया है कि खराब दृश्यता, तेज हवाएं, बारिश या कोहरे की स्थिति में फ्लाइट प्लान को मंजूरी नहीं मिलेगी। यदि मौसम जोखिम भरा पाया जाता है तो एजेंसी को उड़ान रद्द करने की सलाह देनी होगी, चाहे यात्रा किसी वीआईपी की ही क्यों न हो। अंतिम निर्णय लेने में पायलट को स्वतंत्रता दी जाएगी, ताकि उस पर किसी प्रकार का दबाव न बने।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पूछा क्यों दिया जाए राहुल गांधी के खिलाफ मुकदमे का आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संसद में नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली के सांसद राहुल गांधी पर मुकदमा दर्ज करने की मांग में दाखिल याचिका पर सुनवाई करते हुए याची से मुकदमा दर्ज़ करने का आधार पूछा है। कोर्ट ने याची के अधिवक्त ा से पूछा है कि मुकदमा दर्ज कराने का आधार क्या है, जो याचिका में नहीं बताया गया है। कोर्ट ने याची के अधिवक्त ा को सप्लीमेंट्री हलफनामा दाखिल कर मुकदमा दर्ज़ कराने का आधार बताने को कहा है। यह आदेश न्यायमूर्ति समित गोपाल ने संभल भीमनगर की सिमरन गुप्ता की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया है। याची ने राहुल गांधी द्वारा 15 जनवरी 2025 के एक बयान को लेकर मुकदमा दर्ज़ कराने का आदेश देने की मांग की है। याची के मुताबिक राहुल गांधी ने अपने बयान में कहा था कि हमारी लड़ाई आरएसएस और भाजपा से तथा भारत राज्य से है। याची का कहना है राहुल गांधी का यह बयान न सिर्फ भारतीय लोकतांत्रिक संविधान के प्रति अनादर को दर्शाता है बल्कि भारत राज्य की संप्रभुता, एकता और अखंडता के लिए खतरा भी है। राहुल का बयान समाज में अस्थिरता और विद्रोह की भावना पैदा कर सकता है।

पुणे में बंगाल के मजदूर की पीट-पीटकर हत्या, सीएम ममता हुईं दुखी व आक्रोशित

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने पुणे में हुई बंगाल के मजदूर की हत्या की निंदा की। उन्होंने इस घटना को हेट क्राइम बताते हुए कहा कि किसी राज्य में बाहरी लोगों के प्रति नफरत को हथियार और निर्दोष लोगों को निशाना बनाया जा रहा है। सीएम ममता ने आधिकारिक एक्स हैंडल पर घटना का वीडियो पोस्ट करते हुए गहरा दुख और आक्रोश जताया। उन्होंने पोस्ट में लिखा- मैं शब्दों से परे विचलित हो गई हूं, क्रोधित हूं और आहत हूं। पुरुलिया के बंडवान का 24 साल का प्रवासी मजदूर सुखेन महतो, जो अपने परिवार का इकलौता कमाने वाला था, उसकी पुणे, महाराष्ट्र में बर्बर हत्या कर दी गई। ममता ने कहा कि यह सीधा-सीधा हेट क्राइम है। एक युवा को उसकी भाषा, पहचान और जड़ों की वजह से निशाना बनाया गया, उसे प्रताड़ित किया गया और मार डाला। यह उसी माहौल का नतीजा है, जहां जेनोफोबिया को हथियार बनाया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सीएम ममता ने दोषियों की तुरंत गिरफ्तारी और कड़ी से कड़ी सजा की मांग की। सुखेन के परिवार से कहना चाहती हूं कि इस असीम दुख की घड़ी में पूरा बंगाल आपके साथ खड़ा है।

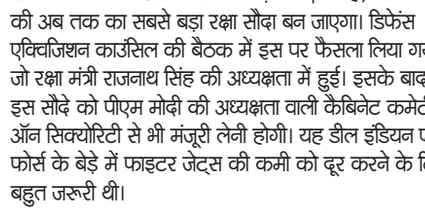

भारत बंद: कहीं बाजार बंद रहे तो कहीं ट्रांसपोर्ट व्यवस्था लड़खड़ाई, कहीं-कहीं मामूली झड़प हुई

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रमिक संगठनों ने विभिन्न मांगों को लेकर गुरुवार को देशव्यापी आम हड़ताल का आह्वान करते हुए भारत बंद का ऐलान किया है। इसका असर आज देश के कई राज्यों में दिखाई दिया है। जरुरी सेवाओं को छोड़कर, राज्यों में दुकानें, बाजार और ट्रांसपोर्टेशन की सुविधाएं बाधित हुई हैं। कहीं कहीं मामूली झड़पें होने की भी खबरें हैं। इसका प्रभाव मध्य प्रदेश में भी देखने को मिलेगा। प्रदेश में सरकारी और निजी बैंक, बीएसएनएल, बीमा तथा डाक विभाग सहित कई केंद्रीय कार्यालयों की सेवाओं पर भी असर हुआ हैं। हालांकि रेलवे सेवाएं सामान्य है। आईएनटीयूसी, एआईटीयूसी, एचएमएस, सीटू, एआईयूटीयूसी, सेवा सहित बैंक, बीमा, केंद्रीय कर्मचारी और बीएसएनएल से जुड़े संगठनों ने हड़ताल को समर्थन दिया है। इस भारत बंद का असर सर्वाधिक गैर भाजपा शासित राज्यों में देखा गया है जबकि भाजपा शासित राज्यों में मिलाजुला असर रहा है। हड़ताल का केंद्र होने के कारण पंजाब में सरकारी परिवहन सेवा पूरी तरह ठप है। फरीदकोट, लुधियाना, पटियाला और अमृतसर जैसे प्रमुख शहरों में बस अड्डों पर सन्नाटा पसरा हुआ है।

घूसखोर पंडत का बदला हुआ नाम बताओ, तब रिलीज होगी मूवी, सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

मुंबई। मनोज बाजपेयी स्टारर फिल्म 'घूसखोर पंड़ित विवादों में फंसी हुई है और इसकी रिलीज सुप्रीम कोर्ट की सख्त निगरानी में है। फिल्म के नाम को लेकर कई लोग और याचिकाकर्ता नाराज हैं, क्योंकि 'पंडत' शब्द आमतौर पर धार्मिक विद्वान या पुजारी के लिए इस्तेमाल होता है, लेकिन इसमें घूसखोर' जैसे नकारात्मक शब्द के साथ जोड़ने पर पूरे समुदाय की छवि को ठेस पहुंचने का आरोप लगा है। सोशल मीडिया पर यह मुद्दा तेजी से फैल गया और उत्तर प्रदेश के डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और पूर्व मुख्यमंत्री मायावती सहित कई नेताओं ने इस

नाम को जातिवादी बताकर फिल्म पर बैन की मांग की।

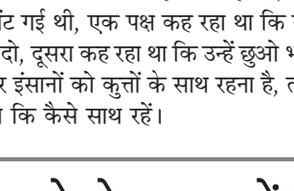

गुरुवार को सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान फिल्ममेकर नीरज पांडे से सवाल किया कि वह किसी समाज या वर्ग को अपमानित करने वाले शब्दों का इस्तेमाल क्यों करना चाहते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि फिल्म का नाम नैतिकता और सार्वजनिक व्यवस्था के खिलाफ प्रतीत होता है और देश में पहले से मौजूद अशांति के बीच इस रिलीज़ करना उचित नहीं होगा। सुप्रीम कोर्ट ने नीरज पांडे को निर्देश दिया कि वह हलफनामा (एफिडेविट) दाखिल करें, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि फिल्म किसी समुदाय का अपमान नहीं करती और साथ ही संभावित नए नाम का विवरण भी प्रस्तुत किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सख्त कहा कि जब तक नया नाम नहीं बताया जाता, तब तक फिल्म की रिलीज की अनुमति नहीं दी जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार और सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन (सीबीएफसी) को भी नोटिस जारी किया है। जस्टिस नागरत्ना ने सुनवाई में कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का इस्तेमाल किसी समाज को नीचा दिखाने के लिए नहीं किया जा सकता। संविधान के अनुच्छेद 19(1)(ए) के तहत अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार के साथ उचित सीमाओं का पालन करना सभी जिम्मेदारों का कर्तव्य है। फिल्म का विवाद मुख्यत: नाम को लेकर है, क्योंकि 'घूसखोर पंडत' का संयोजन धार्मिक और सामाजिक दृष्टि से संवेदनशील माना जा रहा है।

फ्रांस से 114 राफेल खरीदने की डील को मिली मंजूरी, बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली। इंडियन एयरफोर्स के बेड़े में राफेल जेट की संख्या बढ़ने जा रही है। रक्षा मंत्रालय की रक्षा खरीद परिषद ने फ्रांस से 114 राफेल लड़ाकू विमान खरीदने की एक बड़ी डील को मंजूरी दे दी है। वहीं अमेरिकी टोही एयरक्राफ्ट पी-8आई डील को भी हरी झंडी मिल गई है। रक्षा मंत्रालय की डीएसी यानी रक्षा खरीद परिषद की बैठक में यह फैसला हुआ। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन की भारत यात्रा से ठीक पहले यह फैसला आया है, जिससे दोनों देशों के रिश्ते और मजबूत होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा मंत्रालय की डीएसी यानी रक्षा खरीद परिषद ने फाइटर जेट राफेल की खरीद को गुरुवार को मंजूरी दी। इतना ही नहीं, भारतीय नौसेना के लिए 6 अतिरिक्त पी-8आई विमानों की खरीद को भी मंजूरी मिली है। राफेल डील करीब 3.25 लाख करोड़ रुपए की है, जो भारत की अब तक का सबसे बड़ा रक्षा सौदा बन जाएगा। डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल की बैठक में इस पर फैसला लिया गया, जो रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में हुई। इसके बाद इस सौदे को पीएम मोदी की अध्यक्षता वाली कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्योरिटी से भी मंजूरी लेनी होगी। यह डील इंडियन एयर फोर्स के बेड़े में फाइटर जेट्स की कमी को दूर करने के लिए बहुत जरूरी थी।

हर क्षेत्र में निर्णय उसी क्षेत्र के विशेषज्ञों को लेने चाहिए : मोहन भागवत

नागपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने एक अलग और सशक्त वेटरिनरी काउंसिल के गठन की पैरवी कर दी। उन्होंने कहा कि जानवरों और जनसुरक्षा से जुड़े फैसले वेटरिनरी डॉक्टरों और विषय-विशेषज्ञों के निर्देश पर तय होने चाहिए। संघ प्रमुख भागवत नागपुर में इंडियन सोसायटी फॉर एडवांसमेंट ऑफ कैनाइन प्रैक्टिस (आईएसएसीपी) के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रहे थे। अपने संबोधन की शुरुआत में आरएसएस प्रमुख भागवत ने कहा, मैंने इसी कॉलेज में पढ़ाई की है। हालांकि मुझे वेटरिनरी क्षेत्र छोड़े 50 साल हो चुके हैं। ऐसा नहीं कि मुझे कुछ याद नहीं, लेकिन आप लोगों जितना ज्ञान अब मेरे पास नहीं है। फिर भी पूर्व छात्र के रूप में आपने मुझे बुलाया, इसके लिए मैं उनका बहुत आभारी हूं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे कृषि-आधारित देश को तब तक लाभ मिलता रहा, जब तक किसान खेती के साथ पशुपालन और मत्स्य पालन भी करते रहे। भागवत ने वेटरिनरी पेशे के दायरे को सीमित मनाने की सोच को गलत बताकर कहा, पहले माना जाता था कि वेटरिनरी डॉक्टरों की भूमिका सीमित है, लेकिन यह सोच सही नहीं है। समाज, जनस्वास्थ्य और नीति निर्माण में उनकी बड़ी भूमिका हो सकती है। दिल्ली में हाल ही में लावारिस कुत्तों को लेकर हुए विवाद का जिक्र कर भागवत ने कहा कि बहस दो चरम सीमाओं में बंट गई थी, एक पक्ष कह रहा था कि सभी कुत्तों को मार दो, दूसरा कह रहा था कि उन्हें छुओ भी मत। लेकिन अगर इंसानों को कुत्तों के साथ रहना है, तब यह सोचना होगा कि कैसे साथ रहें।

प्रधानमंत्री मोदी आज सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन का करेंगे उद्घाटन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दिल्ली में सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 और 2 का उद्घाटन करने वाले है। वे शाम करीब 6 बजे सेवा तीर्थ में कार्यक्रम को संबोधित भी करने वाले है। प्रधानमंत्री कार्यालय के मुताबिक पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार को दोपहर करीब 1:30 बजे सेवा तीर्थ बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स का नामकरण करने वाले है। इसके बाद वे सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवन-1 और 2 का औपचारिक उद्घाटन करने वाले है। यह उद्घाटन भारत के प्रशासनिक शासन संरचना में एक बड़ा बदलाव साबित होगा। यह प्रधानमंत्री के एक मॉडर्न, कुशल, सुलभ और नागरिक-केंद्रित गवर्नेंस इकोसिस्टम बनाने के वादे को दिखाता है। कई दशकों से कई जरूरी सरकारी ऑफिस और मंत्रालय सेंट्रल विस्टा एरिया में अलग-अलग जगहों पर बने हुए थे और पुराने इंफ्रास्ट्रक्चर से काम करते थे। इससे ऑपरेशनल खामियां, कोऑर्डिनेशन की चुनौतियां, बढ़ते मेंटेनेंस खर्च और काम न कर पाने लायक स्थिति बनी हुई थी। लेकिन नए बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स, मॉडर्न और भविष्य के लिए तैयार सुविधाओं के अंदर प्रशासनिक कार्यों को एक साथ करके इन समस्याओं का समाधान करते हैं।

संसद

बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने सदन में किया प्रस्ताव पेश

राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म हो और चुनाव लड़ने पर लगे रोक

नई दिल्ली। लोकसभा में बीजेपी सांसद निशिकांत दुबे ने सदन में प्रस्ताव पेश किया जिसमें राहुल गांधी की संसद सदस्यता खत्म करने और चुनाव लड़ने पर रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सांसद देश को गुमराह कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक राहुल गांधी ने आरोप लगाया था कि अमेरिका के साथ ट्रेड डील करके मोदी सरकार ने पूरी तरह समर्पण कर दिया है और उसे शर्म आनी चाहिए कि उसने भारत माता को बेच दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को निशिकांत दुबे ने कहा कि मैंने आज लोकसभा में राहुल गांधी के खिलाफ एक प्रस्ताव पेश किया है कि कैसे वह सोरोस जैसी ताकतों की मदद से देश को गुमराह कर रहे हैं, जो देश को नुकसान पहुंचाना चाहते हैं। मैंने जो प्रस्ताव पेश किया है, उसमें मैंने अनुरोध किया है कि राहुल गांधी की सदस्यता समाप्त की जानी चाहिए और उन्हें जीवन भर चुनाव लड़ने से रोक दिया जाना चाहिए। वहीं केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा मैं मानता हूं राहुल गांधी गंभीर पद पर हैं और उन्हें अपनी पद की गंभीरता को समझना जरूरी है। ऐसे मुझे लगता है ये विशेषाधिकार प्रस्ताव एक अधिकार है हर किसी पास कि अगर कोई ऐसी बातें करता है जिसका कोई मायने नहीं है तो ऐसा कदम उठाया जा सकता है अभी ये होगी या नहीं ये अभी कंफर्म नहीं है...। बात दें बुधवार को कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष ने सत्तापक्ष के सदस्यों की टोका-टाकी के बीच कहा था कि भारत-अमेरिका समझौते में देश के किसानों के हितों को कुचल दिया गया, जैसा आज से पहले किसी प्रधानमंत्री ने नहीं किया और आगे भी कोई नहीं करेगा।

मध्यप्रदेश में धर्मलाभ का पावन अवसरः साध्वी श्री उज्जवलप्रभा श्रीजी म.सा. ठाणा 3 का मंगल विहार जारी

» ढेकना से डूडूपाटी, कुरसना और चिरापाटला तक भक्तों ने लिया दर्शन-वंदन, समता शाखा व विहार सेवा अनमोल का लाभ

खिरकिया। हुक्म संघ के नवम पट्टधर, जन-जन की आस्था के केंद्र, प्रातः स्मरणीय एवं प्रतिपल वंदनीय आगमज्ञाता परम पूज्य आचार्य भगवन 1008 श्री रामलालजी म.सा. की आज्ञानुवर्तिनी शासन दीपिका साध्वी श्री उज्जवलप्रभा श्रीजी म.सा., साध्वी श्री प्रियता श्रीजी म.सा. एवं साध्वी श्री मणामगंगा श्रीजी म.सा. (ठाणा 3) का मध्यप्रदेश में मंगल विहार जारी है। साध्वी मंडल के पावन सानिध्य में श्रद्धालुओं को दर्शन, वंदन, समता शाखा, सामायिक आराधना एवं विहार सेवा अनमोल का लाभ प्राप्त हो रहा है।

आचार्य श्री रामलालजी म.सा. ने वर्ष 2026 का वर्षावास राजनांदगांव (छत्तीसगढ़) घोषित किया है। साध्वी मंडल राजस्थान से विहार करते हुए मध्यप्रदेश पधारा है तथा आगे महाराष्ट्र होते हुए छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना है।

1 फरवरी से साध्वी मंडल ढेकना से विहार कर रात्रि विश्राम हेतु डूडूपाटी स्थित गवली ढाणा पधारा। इस अवसर पर बड़ी संख्या में गुरुभक्तों ने दर्शन-वंदन कर समता शाखा व सामायिक की आराधना की। विहार सेवा अनमोल का लाभ सिवनी-मालवा से कांतिकुमार-वंदना मुणोत, शिवानी-अभिषेक मुणोत, अमन-ऋषिका मुणोत, पार्श्व मुणोत परिवार, खिरकिया से आशीष-रत्ना समदड़िया, अमन समदड़िया, बाबई से आग्रह गोलछा तथा ग्राम कालधड़ से योगेश मुकाती व आयुष मुकाती सहित अन्य श्रद्धालुओं ने लिया।

2 फरवरी, को साध्वी मंडल विहार कर कुरसना स्थित फॉरेस्ट रेस्ट हाउस पधारा। वहीं 3 फरवरी को चिरापाटला में कृष्णकुमार आर्य के निवास पर पधारने की संभावना व्यक्त की गई है।

विहार सेवा के दौरान बैतूल संघ के जयंतीलाल गोठी, राकेश सुराणा एवं दुर्ग संघ के श्रद्धालु गुरुभक्त भी उपस्थित रहे। धर्मपाल भाई विशाल द्वारा प्रतिदिन की जा रही सेवाएं सराहनीय एवं प्रेरणादायी बताई जा रही हैं।

साध्वी मंडल का आगामी विचरण बैतूल एवं नागपुर होते हुए छत्तीसगढ़ की ओर संभावित है। साध्वी मंडल के मंगल सानिध्य से क्षेत्र में धर्ममय वातावरण निर्मित हो रहा है तथा श्रद्धालुओं में उत्साह और भक्ति का संचार हो रहा है।

वेंकटेश नगर जल संकट पर कांग्रेस सेवा दल का हस्तक्षेप, ट्यूबवेल जोड़ने और नए बोर की बनी सहमति

15 दिनों से पानी को तरस रहे रहवासियों को मिली राहत, ज्ञापन-धरना टला, अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर समाधान का आश्वासन दिया

इटारसी। वेंकटेश नगर में पिछले 15 दिनों से जारी जल संकट को लेकर रहवासियों का आक्रोश बुधवार को तब शांत हुआ, जब मध्य प्रदेश कांग्रेस सेवा दल यंग ब्रिगेड के प्रदेश अध्यक्ष गजानन तिवारी ने मौके पर पहुंचकर अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के साथ समाधान का रास्ता निकाला। प्रस्तावित ज्ञापन और धरना कार्यक्रम समाधान की दिशा में बनी सहमति के बाद स्थगित कर दिया गया।

एक दिन पूर्व वेंकटेश नगर के रहवासी गजानन तिवारी के निवास पर पहुंचे थे और क्षेत्र में व्याप्त भीषण जल समस्या से अवगत कराया था। रहवासियों ने बताया कि पिछले पंद्रह दिनों से नियमित जल आपूर्ति बाधित है। टैंकरों के माध्यम से की जा रही वैकल्पिक व्यवस्था भी पर्याप्त नहीं है। कई स्थानों पर टैंकर अंदर तक नहीं पहुंच पा रहे थे, वहीं बुजुर्ग और महिलाएं टैंकर से पानी भरने में असमर्थ होने के कारण भारी परेशानी झेल रहे थे।

मामले की गंभीरता को देखते हुए गजानन तिवारी ने तत्काल नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे और जलप्रपात विभाग के अधिकारी रविंद्र जोशी से फोन पर चर्चा की थी। समाधान न निकलने की स्थिति में नगर पालिका में ज्ञापन सौंपने और धरना देने का कार्यक्रम तय किया गया था।

बुधवार सुबह करीब 10 बजे गजानन तिवारी अपने साथियों—अमित गुप्ता, संजय धर, महिला नेत्री नेहा चावरे, आशीष परदेशी सहित अन्य कांग्रेसजनों—के साथ वेंकटेश नगर पहुंचे और स्थल निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने जलप्रपात विभाग के अधिकारी जोशी को फोन पर चर्चा कर मौके पर बुलाया। कुछ ही देर में नगर पालिका अध्यक्ष पंकज चौरे और विभागीय अमला भी वहां पहुंच गया।

मौके पर रहवासियों ने अपनी समस्याएं खुलकर रखीं। गजानन तिवारी ने स्पष्ट कहा कि टैंकर केवल अस्थायी व्यवस्था है, स्थायी समाधान के लिए क्षेत्र के अन्य ट्यूबवेलों को पुराने ट्यूबवेल से जोड़ना होगा। चर्चा के दौरान इस प्रस्ताव पर सहमति बनी। नगर पालिका अध्यक्ष ने आश्वस्त किया कि आसपास की जल लाइनों को आपस में जोड़ा जाएगा और नए ट्यूबवेल के लिए स्थान तय कर बोर कराया जाएगा। उन्होंने यह भी बताया कि विधायक निधि से बोर स्वीकृत कराया जाएगा।

हालांकि, रहवासियों ने यह सवाल भी उठाया कि स्वीकृति और बोरिंग कार्य कब तक पूरा होगा, क्योंकि वे पहले से ही 15 दिनों की परेशानी झेल चुके हैं। इस पर अधिकारियों ने शीघ्र कार्रवाई का भरोसा दिलाया। चर्चा के उपरांत क्षेत्र की लाइनों को जोड़ने तथा नए ट्यूबवेल की खुदाई की प्रक्रिया प्रारंभ करने पर सहमति बनी। समाधान की दिशा में ठोस कदम उठते देख रहवासियों के चेहरों पर राहत साफ दिखाई दी। कई बुजुर्ग महिलाओं ने गजानन तिवारी को आशीर्वाद देते हुए आभार व्यक्त किया। एक बुजुर्ग महिला ने उनके सिर पर हाथ फेरते हुए कहा कि उनकी पहल से ही समस्या के समाधान की राह निकली है। गजानन तिवारी एवं उनके साथियों ने भी मौके पर पहुंचे नगर पालिका अध्यक्ष, अधिकारियों, कर्मचारियों, जनप्रतिनिधियों और पत्रकारों का सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। वेंकटेश नगर में अब जल संकट के स्थायी समाधान की दिशा में प्रशासनिक कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हुई हैं।

अक्षिता जैनः प्रतिभा, प्रतिबद्धता और प्रकृति का अदभुत संगम

अक्षिता जैन, आकृति इको सिटी फ्लेमिंगो निवासी पुष्पेंद्र एवं संध्या जैन की सुपुत्री, बहुमुखी प्रतिभा से संपन्न युवा व्यक्तित्व हैं। शिक्षा, प्रौद्योगिकी, कला और वन्यजीव संरक्षण–हर क्षेत्र में उन्होंने विशिष्ट उपलब्धियाँ अर्जित की हैं।

शैक्षणिक उत्कृष्टता और तकनीकी पहचान

अक्षिता ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी से स्वर्ण पदक प्राप्त कर अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का परिचय दिया। वर्तमान में वे माइक्रोसॉफ्ट में संगणक अनुप्रयोग अभियंता के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने माइक्रोसॉफ्ट की वैश्विक दंतकथात्मक प्रशिक्षुता प्रतियोगिता में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया तथा अनेक अंतरराष्ट्रीय सम्मान अर्जित किए। साथ ही भारत-चीन युवा सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व कर देश का गौरव बढ़ाया।

अंतरराष्ट्रीय स्तर की वन्यजीव छायाचित्रकार

अक्षिता एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की वन्यजीव छायाचित्रकार, संरक्षक और शोधकर्ता हैं। उनके द्वारा खींचे गए छायाचित्र और चित्र-कथाएँ नेशनल जियोग्राफिक वाइल्ड, वाइल्ड एशिया डिस्कवरी तथा बॉम्बे नेचुरल हिस्ट्री सोसाइटी जैसे प्रतिष्ठित मंचों पर प्रकाशित हुए हैं। उनकी अनेक तस्वीरें नेशनल जियोग्राफिक ट्रैवलर इंडिया (यात्रा पत्रिका) में भी प्रकाशित हो चुकी हैं। उन्होंने सोनी बीबीसी अर्थ की वन्यजीव प्रतियोगिता में भी सर्वोच्च सम्मान प्राप्त किया।

ऐतिहासिक उपलब्धि- सोनी वाइल्ड क्लिक

देश की प्रतिष्ठित कथा-आधारित छायाचित्रण प्रतियोगिता सोनी वाइल्ड क्लिक में अक्षिता ने लगातार दो बार सर्वोच्च विजेता बनकर इतिहास रच दिया। वर्ष 2024 में पन्ना टाइगर रिज़र्व में आयोजित प्रतियोगिता में विजेता बनीं। जनवरी 2025 में केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान में पुनः सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया। लगातार दो बार यह सम्मान प्राप्त करने वाली वे भारत की पहली महिला हैं। प्रतियोगिता के निर्णायकों में ऑस्कर पुरस्कार विजेता फिल्मकार कार्तिकी गोंसाल्वेस जैसी अंतरराष्ट्रीय हस्तियाँ शामिल थीं।

वैश्विक क्षेत्रीय कार्य और वृत्तचित्र

केन्या के मासाई मारा के वनों में छायांकन करते हुए उनकी तस्वीरें ÷विश्व वर्ष के छायाचित्रकार÷ प्रतियोगिता के अंतिम चरण तक पहुँचीं। मई 2025 में उन्होंने इंडोनेशिया के कोमोडो द्वीप तथा बोर्नियो क्षेत्र में दुर्लभ जीवों का छायांकन किया।

असम के हूलोंगापार गिबन अभयारण्य में दुर्लभ हूलॉक गिबन और जंगली हाथियों पर विकासजनित संकट को वृत्तचित्र के रूप में प्रस्तुत किया, जो राउंडग्लास सस्टेन जैसे प्रतिष्ठित पर्यावरण मंच पर प्रकाशित हुआ।

अन्य सम्मान

वन्यजीव एवं प्रकृति पर्यटन पुरस्कार 2025 (बीकानेर हाउस, दिल्ली) में ÷प्रथम उपविजेता÷ का सम्मान, जीईएनसीएफ छायाचित्रण प्रतियोगिता में ÷लव इन एयर ङ्क वर्ष का छायाचित्रकार÷ की उपाधि, तथा राज्य स्तरीय वन्यजीव छायाचित्रण प्रतियोगिता में पाँच बार विजय–ये सभी उपलब्धियाँ उनकी सृजनात्मक क्षमता का प्रमाण हैं।

कला का स्पर्श-भरतनाट्यम

अक्षिता एक कुशल भरतनाट्यम नृत्यांगना भी हैं। उन्होंने विश्व हिंदी दिवस पर मुख्यमंत्री निवास में आयोजित ÷क्षमा वाणी÷ कार्यक्रम तथा मध्यप्रदेश स्थापना दिवस सहित अनेक प्रतिष्ठित अवसरों पर अपनी नृत्य प्रस्तुति दी। अक्षिता जैन केवल एक नाम नहीं, बल्कि युवा भारत की सशक्त पहचान हैं–जहाँ प्रौद्योगिकी और प्रकृति, परंपरा और आधुनिकता, अनुसंधान और संवेदना साथ-साथ आगे बढ़ते हैं। उनकी उपलब्धियाँ सिद्ध करती हैं कि स्पष्ट दृष्टि और अटूट समर्पण के साथ आकाश भी सीमा नहीं रहता। ऐसी प्रतिभा पर परिवार ही नहीं, सम्पूर्ण समाज और राष्ट्र को गर्व है।

डिविजनल आईटीआई भोपाल के टर्नर ट्रेड के छात्र साजन विश्वकर्मा का हुआ मैनिट में चयन

भोपाल। डिविजनल औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) भोपाल के टर्नर ट्रेड के वर्ष 2024 उत्तीर्ण छात्र साजन विश्वकर्मा का मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (मैनिट) में एयरोनॉटिक्स अनुसंधान एवं विकास बोर्डङ्करक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (एआर एंड डीबीङ्कडीआरडीओ) द्वारा प्रायोजित अनुसंधान परियोजना के अंतर्गत चयन हुआ है। साजन विश्वकर्मा को प्रयोगशाला सहायक के पद पर चयनित किया गया है। अभ्यर्थी का चयन तकनीकी ज्ञान, प्रायोगिक दक्षता तथा साक्षात्कार के आधार पर किया गया है।साजन विश्वकर्मा को 23 हजार रु. प्रतिमाह मानदेय के साथ 18 प्रतिशत मकान किराया भत्ता प्रदान किया जाएगा। संस्थान के प्रशिक्षकों ने बताया कि यह उपलब्धि आईटीआई विद्यार्थियों को दी जा रही कौशल आधारित शिक्षा की गुणवत्ता को प्रमाणित करती है। औद्योगिक तथा उच्च शैक्षणिक संस्थानों में आईटीआई प्रशिक्षित युवाओं के लिए निरंतर विस्तृत हो रहे अवसरों का यह सशक्त उदाहरण है। उन्होंने कहा कि साजन की सफलता अन्य प्रशिक्षणार्थियों के लिए प्रेरणादायी सिद्ध होगी ।प्रदेश के आई टी आई के प्रशिक्षणार्थी समर्पण, तकनीकी दक्षता और व्यावहारिक प्रशिक्षण के बल पर राष्ट्रीय स्तर की संस्थाओं में भी चयनित हो रहे हैं।

अजितडेटानी मेमोरियल इंटर-कॉलेज ओपन डिवीजनल वॉलीबॉल टूर्नामेंट का समापन

भोपाल। साधू वासवानी खेल मैदान पर आयोजित अजितडेटानी मेमोरियल इंटर-कॉलेज ओपन डिवीजनल वॉलीबॉल टूर्नामेंट का समापन समारोह गरिमामय वातावरण में सम्पन्न हुआ। फाइनल मुकाबले में RCC टीम ने Jawahar कॉलेज को सीधे सेटों में 3ङ्क0 से पराजित कर विजेता ट्रॉफी अपने नाम की। टूर्नामेंट के फाईनल मुकाबले के अवसर पर कार्यक्रम की शरूआत माँ सरस्वती एवं स्वर्गीय अजीत डेटानी जी के चित्र पर माल्यापर्ण एवं दीप प्रज्वलन कर की गई। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामेश्वर शर्मा, विधायक हुजूर एवं पूर्व प्रोटेम्ट स्पीकर एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे डॉ0 शैलेन्द्र जैन, अटल बिहारी बाजपेयी विष्वविद्यालय के रजिस्ट्रार, साधु वासवानी एज्युकेष्नल सोसाइटी के अध्यक्ष दयालदास डेटानी, महासचिव राजेन्द्र मनवानी, सचिव अषोक आडवानी, कोषाध्यक्ष दिनेष वाधवानी, अंकेषक हेमन्त आसवानद्ध, सांस्कृतिक सचिव मुस्कान डेटानी, सदस्य सान्या मनवानी , हेमा वाधवानी, सुचित्रा आसवानी डॉ0 टी.के. ज्ञानचंदानी, डॉ0 गोपी बजाज आदि की उपस्थिति में शुभारंभ हुआ। प्राचार्य ने स्वागत भाषण देते हुए कहा कि महाविद्यालय में खेल गतिविधियों को बढ़ावा देना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने सभी प्रतिभागी टीमों अतिथियों एवं आयोजन समिति का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि यह टूर्नामेंट विद्यार्थियों के आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को सशक्त बनाता है। मुख्य अतिथि श्री रमेश्वर शर्मा जी ने विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान करते हुए सभी खिलाड़ियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि खेल केवल प्रतियोगिता नहीं बल्कि जीवन में अनुशासन, नेतृत्व और टीम भावना का विकास करने का माध्यम है।

बैरसिया पुलिस ने नाबालिग बालिका को किया सकुशल बरामद, परिजनों के सुपुर्द किया

बैरसिया। पुलिस अधीक्षक भोपाल, देहात श्री रामशरण प्रजापति के द्वारा अपहरण एवं महिला संबंधी अपराधो मे त्वरित कार्यवाही एवं निकाल करने हेतु निर्देशित किया गया है । पुलिस अधीक्षक भोपाल , देहात के निर्देशन के तारतम्य मे अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक भोपाल, देहात श्री डॉं नीरज चौरसिया, अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) संभाग बैरसिया सुश्री वैशाली कराहलिया के नेतृत्व मे सभी थाना प्रभारियों को प्रभावी कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया था । इसी तारतम्य में थाना बैरसिया द्वारा एक अपहृत बालिका को सकुशल दस्तयाब करने मे सफलता पाई ।

घटना के अनुसार 09.01.25 को फरियादी पप्पू उर्फ सूरजसिंह कुशवाह पिता हरिप्रसाद कुशवाह निवासी वार्ड न0- 18 महुआखेडा बैरसिया थाना बैरसिया ने रिपोर्ट किया की उसके नाबालिग लडकी को कोई अज्ञात व्यक्ति बहलाफुसलाकर भगा ले गया जिस पर से थाना बैरसिया मे अप0क्र0 77/26 धारा 137(2) बीएनएस का मामला पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया । चुकिं मामला नाबालिग लडकी से संबंधित होने से थाना प्रभारी बैरसिया वीरेन्द्र कुमार सेन के नेतृत्व मे एक विशेष पुलिस टीम का गठन कर पुलिस टीम द्वारा अपहत की पतारसी अलग-अलग स्थानो पर सतत रूप से एवं तकनीकि साक्ष्यो तथा मुखबिर तंत्र के आधार पर की गई जो तकनीकि आधार पर अपर्हता के संबंध मे जानकारी एकत्रित कर पुलिस टीम द्वारा अथक प्रयास व मेहनत अपहृता को सकुशल दस्तयाब कर परिजनो के सुपुर्द किया गया । उक्त कार्यवाही में निरी0 वीरेन्द्र कुमार सेन , उनि प्रियांशी कौरव, प्रआर0 हेमराज सिंह, आर0 रामसेवक यादव ,आर0 सरदारसिंह,प्रआर0 योगेश मिश्रा सेल देहात भोपाल का विशेष योगदान रहा ।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र का सफल आयोजन

भोपाल। मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में कक्षा 6 से 8 तक के विद्यार्थियों को डिजिटल दुनिया में सुरक्षित रहने के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से दिनांक 04 फरवरी से 06 फरवरी 2026 तक तीन दिवसीय साइबर सुरक्षा जागरूकता सत्र का सफल आयोजन किया गया। यह विशेष सत्र ष्टस्ष्टद्ब ङ्क ह्रस्स्ष्टहरू टेक्नोलॉजी सेंटर, भोपाल के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रिसोर्स पर्सन के रूप में श्री कपिल मालवीय उपस्थित रहे, जो साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में अनुभवी विशेषज्ञ हैं। सत्र के दौरान श्री कपिल मालवीय ने विद्यार्थियों को दिन-प्रतिदिन बढ़ती डिजिटल चुनौतियों के प्रति सचेत करते हुए ÷जिम्मेदार डिजिटल नागरिक÷ बनने की प्रेरणा दी। उन्होंने साइबर सुरक्षा के लिए मजबूत पासवर्ड रखने, समय-समय पर उसे बदलने, उपकरणों में एंटीवायरस को नियमित रूप से अपडेट रखने पर विशेष ज़ोर दिया। साथ ही किसी भी ऐप को डाउनलोड करने से पूर्व उसके निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ने तथा सोशल मीडिया पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने की सलाह दी, जिससे डेटा चोरी एवं ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचा जा सके।

कार्यक्रम में ष्टस्ष्टद्ब टीम की सदस्य सुश्री विदिका तोमर की भी सक्रिय सहभागिता रही। उन्होंने साइबर सुरक्षा के व्यावहारिक पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को ऑनलाइन धोखाधड़ी, साइबर बुलिंग एवं फिशिंग जैसे खतरों से बचाव के प्रभावी उपाय बताए। कार्यक्रम के अंतिम दिन, 06 फरवरी 2026 को पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने साइबर सुरक्षा, पासवर्ड सुरक्षा एवं सुरक्षित इंटरनेट उपयोग जैसे विषयों पर रचनात्मक पोस्टरों के माध्यम से जागरूकता संदेश प्रस्तुत किए। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। प्रथम स्थान कक्षा 8वीं 'ब' के छात्र अभिनव वर्मा 10,000 नकद, मेडल एवं प्रमाण पत्र। द्वितीय स्थान कक्षा 7वीं 'स' के कृषिव शेट्टी – 7,500 नकद, मेडल एवं प्रमाण पत्र। तृतीय स्थान कक्षा 6वीं 'अ' के सोहम जैन 5,000 नकद, मेडल एवं प्रमाण पत्र। विद्यार्थियों के उत्साहवर्धन हेतु एक सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किया गया।

कक्षा 8वीं 'ब' के अक्षश जैन को ?2,500 नकद, मेडल एवं प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया गया। इसके अतिरिक्त इस प्रशिक्षण में उपस्थित सभी छात्रों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए। विद्यालय के प्राचार्य ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि उन्हें नए समय की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इस प्रशिक्षण में सीखी गई तकनीकों को अपने दैनिक जीवन में अमल में लाना चाहिए।

राज्य सूचना आयोग सख्तः अपर कलेक्टर नर्मदापुरम को कारण बताओ नोटिस, 25 हजार जुर्माने की चेतावनी

नर्मदापुरम। सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत पारदर्शिता सुनिश्चित करने में लापरवाही बरतना अब अधिकारियों को भारी पड़ता दिख रहा है। राज्य सूचना आयोग ने कलेक्टर कार्यालय नर्मदापुरम के लोकसूचना अधिकारी एवं अपर कलेक्टर के विरुद्ध सख्त रुख अपनाते हुए कारण बताओ नोटिस जारी किया है। आयोग ने आदेश के पालन में गंभीर शिथिलता और गैरजिम्मेदाराना कार्यप्रणाली पर नाराज़गी जताते हुए 25 हजार रुपये तक के जुर्माने और अनुशासनात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है।

यह कार्रवाई आरटीआई एक्टिविस्ट एवं कांग्रेस नेता अमोल उपाध्याय द्वारा दायर द्वितीय अपील पर की गई सुनवाई के बाद सामने आई। प्रकरण में 16 जनवरी 2026 को राज्य सूचना आयोग में पुनः सुनवाई हुई, जिसमें पूर्व में 11 दिसंबर 2025 को दिए गए आदेश के अनुपालन की समीक्षा की गई।

सुनवाई के उपरांत जारी आदेश में राज्य सूचना आयुक्त डॉ. वंदना गाँधी ने स्पष्ट रूप से उल्लेख किया कि आयोग के निर्देशों का पालन अपेक्षित समय सीमा में नहीं किया गया। आदेश में यह भी कहा गया कि लोकसूचना अधिकारी द्वारा पदीय दायित्वों का निर्वहन गैरजिम्मेदाराना तरीके से किया गया, जो कि सूचना के अधिकार अधिनियम की भावना के विपरीत है।

आयोग ने सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा 20 के अंतर्गत अपर कलेक्टर नर्मदापुरम को कारण बताओ नोटिस जारी करते हुए पूछा है कि क्यों न उनके विरुद्ध 25,000 रुपये का अधिकतम दंड अधिरोपित किया जाए। साथ ही, प्रकरण में विभागीय अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रारंभ किए जाने की भी चेतावनी दी गई है। महत्वपूर्ण बात यह है कि आयोग ने उक्त कारण बताओ नोटिस की तामील प्रथम अपीलीय अधिकारी, अर्थात कलेक्टर नर्मदापुरम के माध्यम से सुनिश्चित किए जाने के निर्देश भी जारी किए हैं। इससे यह संकेत मिलता है कि आयोग इस मामले को गंभीरता से लेते हुए जवाबदेही तय करने की प्रक्रिया को संस्थागत स्तर पर आगे बढ़ाना चाहता है। सूत्रों के अनुसार, यदि लोकसूचना अधिकारी संतोषजनक जवाब प्रस्तुत करने में विफल रहते हैं तो आयोग द्वारा दंडात्मक कार्रवाई सुनिश्चित की जा सकती है। यह मामला प्रशासनिक जवाबदेही और पारदर्शिता के संदर्भ में जिले में चर्चा का विषय बना हुआ है।

चतुर्थ दिवस पर सजी शिव-विवाह की दिव्य लीला, भक्ति और ज्ञान का अद्भुत संगम

पशुपतिनाथ मंदिर में शिव महापुराण कथा के दौरान देवी र मणि द्विवेदी ने सुनाया शिव-पार्वती विवाह का आध्यात्मिक रहस्य, श्रद्धालु भाव-विभोर

इटारसी। शहर के प्राचीन एवं आस्था के केंद्र पशुपतिनाथ मंदिर में चल रही शिव महापुराण कथा के चतुर्थ दिवस का वातावरण भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओत-प्रोत रहा। कथा के इस विशेष दिन शिव-पार्वती विवाह प्रसंग का अत्यंत भावपूर्ण एवं दार्शनिक वर्णन किया गया। राष्ट्रीय कथाकार एवं प्रखर समाजसेविका देवी रत्न मणि द्विवेदी ने अपने ओजस्वी वाणी से शिव विवाह के आध्यात्मिक, दार्शनिक और जीवनोपयोगी आयामों को विस्तार से प्रस्तुत किया।

देवी जी ने कहा कि शिव-पार्वती विवाह केवल एक पौराणिक प्रसंग नहीं है, बल्कि यह चेतना और शक्ति का दिव्य मिलन है। भगवान शिव असीम, स्थिर और शुद्ध चेतना के प्रतीक हैं, जबकि माता पार्वती ऊर्जा, प्रकृति, समर्पण और सृजन शक्ति का स्वरूप हैं। इन दोनों का मिलन संपूर्ण ब्रह्मांड में संतुलन और सामंजस्य की स्थापना करता है। यह विवाह संसार और साधना के बीच संतुलन का प्रतीक है।

उन्होंने बताया कि भगवान शिव का स्वरूप वैराग्य, ध्यान और तप का प्रतीक है। वे कैलाशवासी, भस्मधारी और विरक्त योगी हैं, जबकि माता पार्वती ने कठोर तपस्या और अटूट श्रद्धा के बल पर उन्हें प्राप्त किया। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि आत्म-साक्षात्कार अथवा ईश्वर प्राप्ति के लिए धैर्य, समर्पण और आंतरिक साधना अनिवार्य है। बाहरी आडंबरों से नहीं, बल्कि अंत:करण की पवित्रता और दृढ़ निश्चय से ही ईश्वर का सान्निध्य प्राप्त होता है।

देवी रत्न मणि द्विवेदी ने शिव विवाह के एक अत्यंत गूढ़ पहलू पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह मिलन वैराग्य और भक्ति का अद्भुत संगम है। पार्वती की भक्ति ने शिव के वैराग्य को गृहस्थ जीवन की ओर प्रवाहित किया। यह संदेश देता है कि भक्ति के माध्यम से जीवन के कठोर और विरक्त पक्ष को भी प्रेम, करुणा और जिम्मेदारी से जोड़ा जा सकता है। संन्यास और गृहस्थ जीवन परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। शिव की बारात के प्रसंग का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि जब भगवान शिव भूत-प्रेत, गण और अघोरी स्वरूपों के साथ विवाह के लिए पहुंचे, तो यह दृश्य बाहरी दृष्टि से विचित्र प्रतीत होता है। किंतु माता पार्वती ने उस स्वरूप को सहज भाव से स्वीकार किया। यह प्रसंग हमें सिखाता है कि आध्यात्मिक दृष्टि में बाहरी रूप-रंग और आडंबर का कोई महत्व नहीं होता, बल्कि आत्मा का मिलन और आंतरिक शुद्धता ही सर्वाधिक महत्वपूर्ण है। यह विवाह सामाजिक पूर्वाग्रहों को तोड़कर स्वीकार्यता और व्यापक दृष्टिकोण का संदेश देता है। देवी जी ने शिव-शक्ति संवाद का उल्लेख करते हुए कहा कि विवाह के पश्चात शिव और पार्वती का संबंध केवल दांपत्य तक सीमित नहीं रहा, बल्कि वह ज्ञान और ध्यान का आदर्श संवाद बन गया। माता पार्वती ने शिव से ब्रह्मांड के गूढ़ रहस्य, योग, तंत्र और जीवन के गहन तत्वों का ज्ञान प्राप्त किया। यह दर्शाता है कि पति-पत्नी का संबंध केवल सांसारिक नहीं, बल्कि आध्यात्मिक उन्नति का माध्यम भी हो सकता है। उन्होंने कहा कि शिव-पार्वती विवाह हमें जीवन का संतुलित मार्ग दिखाता है—जहाँ साधना और संसार, तप और प्रेम, स्थिरता और गतिशीलता एक साथ चलते हैं। यह विवाह इस सत्य को स्थापित करता है कि जब चेतना और शक्ति एकाकार होते हैं, तभी जीवन में पूर्णता आती है। कथा के दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव और जय भोलेनाथ के उद्घोषों से गूंज उठा। श्रद्धालु भक्ति रस में सराबोर होकर कथा का श्रवण करते रहे। कई भक्तों की आँखें भाव-विभोर होकर नम हो गईं। भजनों और मंगलगीतों के साथ शिव विवाह का वातावरण अत्यंत अलौकिक और मनोहारी बन गया। यह आयोजन मेहरबान चौहान के मार्गदर्शन एवं संयोजन में संपन्न हो रहा है। कार्यक्रम में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर कथा का लाभ ले रहे हैं। मंदिर परिसर में सुव्यवस्थित व्यवस्थाएं की गई हैं, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। शिव महापुराण कथा के आगामी दिवसों में भी विविध प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। आयोजन समिति ने सभी श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस आध्यात्मिक अनुष्ठान का लाभ लेने की अपील की है।

आकांक्षी विकासखंड पहाड़गढ़ में विज्ञान में महिलाओं एवं बालिकाओं के अंतर्राष्ट्रीय दिवस पर विशेष सत्र आयोजित

मुरैना। आकांक्षी विकासखंड पहाड़गढ़ में संपूर्णता अभियान 2.0 के अंतर्गत विज्ञान में महिलाओं एवं बालिकाओं के अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर सांदीपनी विद्यालय, पहाड़गढ़ में किशोरियों के लिए एक व्यापक एवं प्रेरणादायी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय में विज्ञान प्रदर्शनी, जागरूकता कार्यक्रम, संगोष्ठी, विज्ञान प्रश्नोत्तरी तथा करियर मार्गदर्शन सत्र आयोजित किए गए। इन गतिविधियों का उद्देश्य बालिकाओं में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करना तथा उन्हें विज्ञान को करियर के रूप में अपनाने के लिए प्रेरित करना था। कार्यक्रम के दौरान किशोरी स्वास्थ्य एवं पोषण, बालिकाओं के लिए स्वच्छ एवं सुरक्षित शौचालय का महत्व, व्यक्तिगत स्वच्छता तथा सुरक्षित पेयजल से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ प्रदान की गईं। उपस्थित विशेषज्ञों ने बताया कि वैज्ञानिक सोच, नवाचार और शिक्षा ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। नीति आयोग द्वारा संचालित आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कौशल विकास एवं बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में समन्वित और सतत विकास सुनिश्चित करना है। विज्ञान के क्षेत्र में महिलाओं और बालिकाओं की भागीदारी बढ़ाना इसी लक्ष्य की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। कार्यक्रम में सांदीपनी विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य श्री रवि कुमार शाक्य, आकांक्षी ब्लॉक फेलो श्री रविन्द्र कुशवाह तथा विद्यालय के समस्त स्टाफ की गरिमामयी उपस्थिति रही।

रेल नेटवर्क के जरिये दुर्लभ प्रजाति के कछुओं की तस्करी का सरगना गिरफ्तार

भोपाल। प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं मुख्य वन्य-जीव अभिरक्षक के निर्देशन में मुखबिर की सूचना पर पटना-इंदौर एक्सप्रेस के प्रथम श्रेणी कोच से स्टेट टाइगर फोर्स भोपाल, रेलवे सुरक्षा बल एवं वन म?डल भोपाल द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए संत हिरदाराम स्टेशन से एक आरोपी अजय सिंह राजपूत वल्द राजकुमार के पास से 311 नग दुर्लभ प्रतिबंधित प्रजाति के जीवित कछुओं को जप्त कर वन अपराध प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। वन्य-जीव कछुओं को स्वास्थ्य परीक्षण के बाद न्यायालय से अनुमति प्राप्त कर प्राकृतिक रहवास में मुक्त किया गया। दुर्लभ प्रजाति के कछुओं की तस्करी के संबंध में 8 फरवरी, 2026 के प्रकरण में अग्रिम कार्यवाही करते हुए संगठित गिरोह के विधि विरोधी बालक को लखनऊ से अभिरक्षा में लिया गया, जिसे प्रधान न्यायिक मजिस्ट्रेट किशोर न्याय बोर्ड भोपाल में 9 फरवरी को प्रस्तुत कर संप्रेक्षण गृह भोपाल भेजा गया। प्रकरण के अन्य फरार आरोपी आसिफ खान निवासी देवास को पकड़ने के लिये स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स भोपाल द्वारा मुखबिर तंत्र विकसित कर लगातार 3 दिन तक घेराबंदी और रैकी की गयी। उसे 10 फरवरी को स्टेट टाइगर फोर्स मुख्यालय एवं इकाई भोपाल के संयुक्त दल द्वारा देवास शहर से गिरोह के मुख्य तस्कर आरोपी आसिफ खान को गिरफ्तार कर विशेष न्यायालय एसटीएसएफ में पेश कर फॉरेस्ट रिमाण्ड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। प्रकरण में विवेचना जारी है।

मध्यप्रदेश की 9 स्टोन आधारित एमएसएमई इकाइयों ने जयपुर में इंडिया स्टोन मार्ट में की सहभागिता

भोपाल। मध्यप्रदेश की 9 स्टोन आधारित एमएसएमई इकाइयों ने इंडिया स्टोन मार्ट, 2026 जयपुर में सहभागिता कर प्रदेश का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित किया है। यह प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय स्टोन आधारित प्रदर्शनी 5 से 8 फरवरी तक जयपुर में आयोजित की गई थी। प्रदर्शनी में मध्यप्रदेश की कुल 9 स्टोन आधारित एमएसएमई इकाइयों ने सहभागिता की, जिसमे ग्वालियर से 6 इकाईयों (तंवर स्टोर इंडस्ट्रीज, जैन स्टोन इंडस्ट्रीज, के.आर. स्टोन इंडस्ट्रीज, महाकाय इंडस्ट्रीज, अभ्युदय इंटरप्राइजेज, श्री साईं राम स्टोन), कटनी से दो इकाईयों (एमके ग्रेनाइट एवं मार्बल कंपनी तथा श्री राम मार्बल्स) एवं इंदौर (द राईट एंगल्स) से एक इकाई शामिल है। सभी चयनित इकाइयों को एमएसएमई विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा विभागीय सहयोग प्रदान किया गया।इकाइयों को निःशुल्क स्टॉल उपलब्ध कराए गए एवं अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित की गई। प्रदर्शनी में भाग लेने के लिए इकाइयों का चयन एमएसएमई विभाग के माध्यम से मुख्यालय स्तर पर किया गया। स्टोन इंडस्ट्रीज के उत्पादों का वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट में शामिल होने के साथ उनकी गुणवत्ता, नवाचार क्षमता एवं बाजार संभावनाओं को चयन का आधार बनाया गया। प्रदर्शनी के दौरान उद्यमियों ने अपने उत्पादों का प्रभावी प्रदर्शन किया एवं देश-विदेश से आए क्रेताओं एवं व्यापारिक प्रतिनिधियों से सार्थक व्यावसायिक संवाद किया।इस सहभागिता से स्टोन जगत के हितधारकों का परिचय मध्यप्रदेश की विशाल स्टोन धरोहर से हो सका एवं सभी ने मध्यप्रदेश के उत्पादों को सराहा। विजिट स्थानीय एमएसएमई इकाइयों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ने, निर्यात संभावनाओं के विस्तार तथा महिला उद्यमिता को प्रोत्साहन देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

भाजपा नेता नंदू सनान्से के पुत्र नीरज सनान्से का जन्मदिन धूमधाम से मनाया

भोपाल। भाजपा नेता नंदू सनान्से ने नीरज सराठे का जन्मदिन इस वर्ष बड़े ही उत्साह और भव्य आयोजन के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समाजसेवी और बड़ी संख्या में समर्थक उपस्थित रहे। जन्मदिन समारोह के दौरान आकर्षक सजावट और विशेष व्यवस्था की गई थी। मंच को गुब्बारों और फूलों से सजाया गया था, जहां नीरज सनान्से ने केक काटकर सभी का आभार व्यक्त किया। उपस्थित लोगों ने उन्हें पुष्पगुच्छ भेंट कर उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर भाजपा नेता नंदू सनान्से ने सभी आगंतुकों का स्वागत करते हुए कहा कि युवाओं को समाजसेवा और सकारात्मक कार्यों में आगे आना चाहिए। उन्होंने बताया कि जन्मदिन के मौके पर जरूरतमंदों को भोजन वितरण और सामाजिक सेवा के कार्य भी किए गए, ताकि खुशी के इस दिन को समाज के साथ साझा किया जा सके। कार्यक्रम में युवाओं का खासा उत्साह देखने को मिला। देर शाम तक शुभकामनाओं का सिलसिला चलता रहा और पूरे आयोजन में उत्सवी माहौल बना रहा।

लाड़ली बहनों के लिए 14 फरवरी को जारी हो सकते है 33वीं किस्त के 1500 रुपए

भोपाल। फरवरी में लाड़ली बहना योजना की 33वीं किस्त जारी होना है। इसके तहत 1.25 करोड़ से अधिक महिलाओं को 1500-1500 रुपए दिए जाएंगे। संभावना है कि 14 फरवरी को मोहन सरकार किस्त के पैसे जारी कर सकती है। मध्य प्रदेश की मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की 33वीं किस्त को लेकर ताजा अपडेट आया है। खबर है कि 14 फरवरी 2026 को सीएम डॉ मोहन यादव ?खंडवा के पंधाना से 1 करोड़ 25 लाख पात्र महिलाओं के खाते में 1,500-1500 रुपए भेज सकते हैं। हालांकि महिला एवं बाल विकास विभाग या मोहन सरकार द्वारा तारीख को लेकर आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है। इससे पहले 32वीं किस्त 16 जनवरी को नर्मदापुरम से जारी की गई थी। ध्यान रखें जिन महिलाओं ने रजिस्ट्रेशन करा रखा है और पात्रता की शर्तों को पूरा करती हैं, उन्हें ही अगली किस्त का लाभ मिलेगा। जिन महिलाओं ने ई-केवाईसी नहीं

करवाई है, उनकी राशि अटक या रुक सकती है। मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मई 2023 में लाड़ली बहना योजना शुरू की गई थी।योजना के उद्देश्य महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना, परिवार में उनके निर्णय अधिकार को मजबूत करना तथा स्वास्थ्य और पोषण स्तर में सतत सुधार सुनिश्चित करना है। 10 जून 2023 को योजना की पहली किस्त जारी की गई थी। योजना की शुरुआत में 1000 रुपये प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती थी, जिसे अक्टूबर 2023 में बढ़ाकर 1,250 रुपये किया गया। इसके बाद नवंबर 2025 से राशि में पुनः 250 रुपये की वृद्धि की गई। इसके अतिरिक्त अगस्त 2023, 2024 व 2025 में रक्षाबंधन के मौके पर 250 रुपये की विशेष सहायता राशि भी बहनों को प्रदान की गई। वर्तमान में सामान्य हितग्राही महिलाओं को 1500 रुपए प्रतिमाह (18000 रु सालाना) दिए जाते हैं। सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्राप्त कर रही महिलाओं को 900 रुपये प्रतिमाह मिलते हैं। योजना की शुरुआत (जून 2023) से लेकर जनवरी 2026 तक लगभग 50 करोड़ रुपये से अधिक की राशि महिलाओं के खातों में भेजी जा चुकी है। भविष्य में योजना की चरणबद्ध तरीके से बढ़ाकर 1500 से 3000 रुपये प्रति माह तक ले जाने का राज्य सरकार का लक्ष्य है।

फिटनेस आइकॉन और स्मार्ट कॉप के रूप में जाने जाते हैं आईपीएस सचिन अतुलकर

भोपाल। सरकारी अधिकारियों की पहचान अक्सर उनके पद और अधिकारों तक सीमित रह जाती है। लेकिन सचिन अतुलकर उन चुनिंदा अफसरों में शामिल हैं, जिनकी चर्चा सिर्फ उनकी वर्दी तक नहीं रुकती। वे देशभर में एक ऐसे पुलिस अधिकारी के रूप में जाने जाते हैं, जिनके व्यक्तित्व में अनुशासन, फिटनेस, कर्तव्यनिष्ठा और बहुमुखी प्रतिभा का अनोखा संतुलन दिखाई देता है। मध्य प्रदेश कैडर के इस वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ने कम उम्र में जो मुकाम हासिल किया, वह उन्हें युवाओं के लिए प्रेरणा बनाता है।

भोपाल से शुरू हुआ प्रेरणादायक सफर

आईपीएस सचिन अतुलकर का जन्म 8 अगस्त 1984 को मध्य प्रदेश के भोपाल में हुआ। उनका पालन-पोषण ऐसे परिवार में हुआ, जहां अनुशासन और देशसेवा को जीवन का मूल मूल्य माना जाता था। उनके पिता वीके अतुलकर भारतीय वन सेवा के अधिकारी रहे हैं। वहीं उनके बड़े भाई भारतीय सेना में सेवाएं दे चुके हैं। परिवार का यही वातावरण बचपन से ही सचिन के व्यक्तित्व को आकार देता चला गया। यही कारण रहा कि उनमें देश और समाज के लिए कुछ कर गुजरने की भावना बहुत जल्दी विकसित हो गई।

पहले ही प्रयास में हुआ चयन

शिक्षा के स्तर पर बीकॉम की पढ़ाई पूरी की। स्नातक होने के तुरंत बाद उन्होंने यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी शुरू कर दी। वर्ष 2006 में उन्होंने अपने पहले ही प्रयास में सिविल सेवा परीक्षा पास कर ली। उन्हें ऑल इंडिया रैंक 258 प्राप्त हुई और महज 22 वर्ष की उम्र में वे आईपीएस बन गए। इस उपलब्धि ने उन्हें उस समय देश के सबसे कम उम्र के आईपीएस अधिकारियों में शामिल कर दिया।

कोई दूसरा विकल्प नहीं था

सचिन कहते हैं कि यूपीएससी की तैयारी करने वाले अधिकतर लोग तैयारी के साथ एक दूसरा विकल्प भी रखते हैं। लेकिन, मैंने कभी इस बारे में नहीं सोचा। बस तय कर लिया कि प्रशासनिक सेवा में ही जाना है। उसके बाद ईमानदारी से पूरी जान लगा दी। इसी कारण पहले प्रयास में ही सफलता मिली।

फिटनेस सिर्फ शौक नहीं जीवनशैली

सचिन अतुलकर को देश के सबसे फिट आईपीएस अधिकारियों में गिना जाता है। वे फिटनेस को सिर्फ शौक की चीज नहीं, बल्कि जीवनशैली मानते हैं। नियमित वर्कआउट, कार्डियो, वेट ट्रेनिंग और योग उनकी दिनचर्या का हिस्सा हैं। व्यस्त शेड्यूल के बावजूद वे फिटनेस के लिए समय निकालते हैं। उनका मानना है कि शारीरिक फिटनेस से मानसिक मजबूती आती है, जो निर्णय लेने में मदद करती है। यही कारण है कि वे पुलिस विभाग के भीतर भी फिटनेस आइकन माने जाते हैं। वे फिटनेस में मॉडल्स को टक्कर देते हैं।

खेलों से मिला अनुशासन और नेतृत्व

पुलिस सेवा से पहले सचिन अतुलकर का खेल जगत से गहरा नाता रहा है। वे वर्ष 1999 में राष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट खेल चुके हैं। आईपीएस ट्रेनिंग के दौरान उन्होंने घुड़सवारी को गंभीरता से अपनाया। वर्ष 2010 में शो-जंपिंग स्पर्धा में उन्होंने राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल जीता। खेलों से मिले अनुशासन, टीमवर्क और नेतृत्व के गुण आज उनकी प्रशासनिक कार्यशैली में स्पष्ट नजर आते हैं।

सोशल मीडिया पर हैं लोकप्रिय

सोशल मीडिया पर भी सचिन अतुलकर की मौजूदगी प्रभावशाली है। वे फिटनेस वीडियो, मोटिवेशनल संदेश और सकारात्मक विचार साझा करते हैं। उनके लाखों फॉलोअर्स उन्हें सिर्फ एक अफसर नहीं, बल्कि प्रेरणा के स्रोत के रूप में देखते हैं। उनकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग उनसे मिलने छिंदवाड़ा पहुंचने लगे।

कार्यशाला में बोले स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह

निजी प्रकाशक भी एनईपी-2020 के अनुरूप विषय वस्तु पर आधारित पुस्तकें करें तैयार

भोपाल। स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने बुधवार को राज्य शिक्षा केंद्र, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा भोपाल के होटल अशोका लेकव्यू में आयोजित राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के अनुरूप विषय वस्तु का पुस्तकों में समावेश विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 न केवल पाठ्यक्रम परिवर्तन का दस्तावेज है, बल्कि यह भारत केन्द्रित, बाल-केन्द्रित और भविष्य केन्द्रित शिक्षा दृष्टि है। यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 अनेक शिक्षाविदों और विशेषज्ञों के अथक परिश्रम का परिणाम है। ऐसी पाठ्य पुस्तकें तैयार हों जो विद्यार्थी में जिज्ञासा, तर्कशक्ति, सृजनशीलता और भारतीयता तथा पर्यावरण के प्रति संरक्षण की दृष्टि के बोध को विकसित करें। पुस्तक शिक्षक के लिए मार्गदर्शक बने, बोझ नहीं। हमारा उद्देश्य ऐसी पाठ्यपुस्तकें निर्मित करना है जो राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 की भावना के अनुसार भारत की आत्मा, विज्ञान की दृष्टि, और भविष्य के विश्वास को समेकित करें।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि निजी विद्यालयों में प्रयुक्त होने वाली पाठ्यपुस्तकों में भी यह सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि, उनमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के निर्देशों के अनुरूप एनसीईआरटी और एससीईआरटी द्वारा तैयार की गयी विषय वस्तु का समावेश हो। स्कूल शिक्षा मंत्री श्री सिंह ने कहा

कि मध्यप्रदेश पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा प्रकाशित पुस्तकों के उदाहरण को ध्यान में रखते हुए निजी विद्यालयों में प्रयुक्त की जाने वाली पुस्तकों को भी बच्चों के लिए आकर्षक, गुणवत्तापरक बनाया जाना चाहिए। इसके लिए उन्होंने अनुभवी शिक्षकों, विभागीय अधिकारियों और निजी प्रकाशकों की समिति गठित करने का सुझाव भी दिया, जो पुस्तकों की गुणवत्ता, उपयोगिता और लागत पर समुचित मार्गदर्शन प्रदान करे।कार्यशाला में पाठ्य पुस्तक स्थायी समिति के सदस्य डॉ. भागीरथ कुमरावत ने राष्ट्रीय पाठ्यचर्या और एससीईआरटी, मध्यप्रदेश द्वारा निर्मित राज्य पाठ्यचर्या की विस्तृत जानकारी प्रदान की।

आयुक्त लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता आयुक्त, लोक शिक्षण श्रीमती शिल्पा गुप्ता ने कहा कि सभी के सहयोग, अनुभव और प्रतिबद्धता से हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के अनुरूप पाठ्य पुस्तकों के निर्माण में सफल होंगे। शिक्षा के क्षेत्र में एक नई दिशा स्थापित करेंगे। कार्यशाला में मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के प्रबंध संचालक श्री विनय निगम, माध्यमिक शिक्षा मंडल की अतिरिक्त सचिव श्रीमती प्रियंका गोयल, संचालक लोक शिक्षण श्री के.के. द्विवेदी, संचालक राज्य शिक्षा केन्द्र श्री हरजिंदर सिंह, कार्यशाला प्रभारी एवं अपर संचालक श्री शीतांशु शुक्ला, नियंत्रक पाठ्य पुस्तक प्रकोष्ठ सुश्री साक्षी जैन सहित निजी प्रकाशक एवं विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

डिजिटल एडिक्शन का खतरनाक खेल, गाजियाबाद की त्रासदी से पेरेंट्स के लिए सबक

ऑनलाइन खेल मनोरंजन का साधन हो सकता है, लेकिन इसके लिए सीमित समय तय करना और आत्मनियंत्रण बेहद जरूरी है। अगर किसी बच्चे या किशोर को इसकी लत लग जाए, तो इसके परिणाम भयावह हो सकते हैं। आज की आभासी दुनिया में ऐसे खेल भी आ गए हैं, जिनमें उपयोगकर्ताओं को जोखिम भरे कार्य दिए जाते हैं। बच्चे इन खेलों की ओर ज्यादा आकर्षित होते हैं, जिससे वे न केवल शारीरिक एवं मानसिक विसंगतियों का शिकार हो जाते हैं, बल्कि कई बार आत्मघाती कदम उठा लेते हैं। उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद में ऐसी ही एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। यहां तीन नाबालिग बहनें मंगलवार देर रात इमारत की नौवीं मंजिल से कूद गईं, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस को प्रारंभिक जांच-पड़ताल में पता चला कि ये तीनों बहनें एक ऐसे आनलाइन खेल की आदी थीं, जिसमें खेल के दौरान कुछ इस तरह के कार्य दिए जाते हैं, जो खतरे से खाली नहीं होते। इसमें दोराय नहीं कि इंटरनेट और स्मार्ट फोन ने हमारे जीवन को सुविधाजनक बना दिया है, लेकिन तकनीक के इस साधन में कई तरह के खतरे भी छिपे हुए हैं। मोबाइल फोन के अत्यधिक इस्तेमाल से न केवल बच्चों और किशोरों की पढ़ाई प्रभावित होती है, बल्कि उनके व्यवहार पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। गाजियाबाद में इमारत से कूदकर जान देने वाली लड़कियों के परिवारवाले भी इस बात से चिंतित थे और उनके आनलाइन गेम खेलने पर आपत्ति जताते थे। कहा जा रहा है कि परिवार वालों ने इन तीनों बहनों के मोबाइल फोन के इस्तेमाल पर रोक लगा दी थी, जिससे वे बेहद निराश थीं। सवाल है कि ऐसे आनलाइन खेलों की अनुमति कैसे दे दी जाती है, जो किसी बच्चे के जीवन को खतरे में डाल दे या फिर उसकी मौत का कारण बन जाए? जाहिर है, इसके पीछे कानून में स्पष्ट दिशा-निर्देशों का अभाव हो सकता है। मगर अभिभावकों की भी यह जिम्मेदारी है कि वे इस तरह के जोखिम को हल्के में न लें और बच्चों के मोबाइल फोन के इस्तेमाल के दौरान उन पर नियमित नजर रखें।

चीन भी आ गया लाइन पर, UNSC में भारत के दावे का किया समर्थन, व्यापार समझौता करने को भी तैयार

-नीरज कुमार दुबे

भारत और चीन के बीच रिश्तों की जमी बर्फ अब पिघलने लगी है और यह बदलाव केवल सीमा तक सीमित नहीं दिख रहा, बल्कि व्यापार, कूटनीति और वैश्विक शक्ति संतुलन तक फैलता नजर आ रहा है। नई दिल्ली में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी और चीन के कार्यकारी उप विदेश मंत्री मा झाओशु के बीच हुई सामरिक संवाद बैठक ने यह साफ कर दिया कि दोनों देश टकराव की लंबी थकान के बाद अब ठोस लाभ की राह तलाश रहे हैं। बातचीत का मुख्य आधार रहा व्यापारिक रिश्तों को आगे बढ़ाना और वास्तविक नियंत्रण रेखा पर शांति बनाए रखना।

हम आपको याद दिला दें कि करीब 4 वर्ष तक चले पूर्वी लद्दाख गतिरोध ने दोनों देशों के संबंधों को झकझोर दिया था। उसके बाद हुए सीमा समझौते और शीर्ष नेतृत्व की बैठकों के फल अब सामने आने लगे हैं। दोनों पक्षों ने माना कि सीमा क्षेत्रों में शांति और स्थिरता ही व्यापक रिश्तों की बुनियाद है। इसी सोच के साथ द्विपक्षीय व्यापार से जुड़ी अड़चनों को राजनीतिक और सामरिक दृष्टि से सुलझाने पर जोर दिया गया।

बैठक में वायु सेवा समझौते को जल्द नया रूप देने, जन से जन संपर्क बढ़ाने और प्रवेश अनुमति पत्र प्रक्रिया को सरल बनाने पर सहमति बनी। कैलाश मानसरोवर यात्रा के फिर से शुरू होने को भरोसे की बहाली का संकेत माना गया और इसके दायरे को आगे बढ़ाने की आशा जताई गई।

सबसे अधिक ध्यान खींचने वाली बात रही चीन का यह कहना कि वह भारत की संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता की आकांक्षा को समझता और उसका सम्मान करता है। यह रुख पहले के ठंडे या विरोधी रवैये से अलग माना जा रहा है। सुरक्षा परिषद में पांच स्थायी सदस्य हैं और हर एक के पास वीटो शक्ति है। ऐसे में किसी नए स्थायी सदस्य के रास्ते में इन पांचों की सहमति निर्णायक होती है। पहले चार स्थायी सदस्यों ने अलग अलग समय पर भारत के दावे का समर्थन जताया है, जबकि चीन का रुख अस्पष्ट या ठंडा रहा। अब बीजिंग की यह नरमी नई चर्चा को जन्म दे रही है।

चीन ने यह भी कहा कि बदलती अंतरराष्ट्रीय स्थिति में दोनों देशों को प्रतिद्वंद्वी नहीं, सहयोगी साझेदार के रूप में देखना चाहिए। दोनों ने बहुपक्षवाद, संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका, ग्लोबल साउथ की एकजुटता और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था की बात दोहराई। साथ ही भारत की इस वर्ष की ब्रिक्स अध्यक्षता और भारत में होने वाली ब्रिक्स शिखर बैठक के लिए चीन ने समर्थन जताया।

यह पूरा घटनाक्रम ऐसे समय पर हो रहा है जब भारत ने अमेरिका के साथ महत्वपूर्ण व्यापार समझौते आगे बढ़ाए हैं और अपनी आपूर्ति श्रृंखला को विविध बना रहा है। ऐसे में चीन का भारत की ओर व्यापार और कूटनीति का हाथ बढ़ाना केवल सद्भाव नहीं, बल्कि रणनीति भी माना जा रहा है। दुनिया की दो सबसे बड़ी आबादी और तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाएं यदि टकराव कम कर सहयोग बढ़ाती हैं, तो एशिया ही नहीं, पूरे विश्व का शक्ति गणित बदल सकती हैं।

पिछले छह महीनों में भारत चीन संबंधों में जो सुधार दिखा है, उसमें शीर्ष नेतृत्व की मुलाकातें, सैन्य स्तर पर संवाद और आर्थिक संपर्क की बहाली शामिल है। हालांकि अविश्वास पूरी तरह खत्म नहीं हुआ, पर संवाद की पटरी पर लौटना अपने आप में बड़ा बदलाव है।

देखा जाये तो भारत चीन रिश्तों में यह नरमी केवल दोस्ती की कहानी नहीं, बल्कि कठोर यथार्थ की राजनीति है। अमेरिका के साथ भारत के बढ़ते व्यापार और सामरिक समीकरण ने बीजिंग को संकेत दिया है कि नई दिल्ली अब विकल्पों से भरपूर है। ऐसे में चीन का लहजा बदलना स्वाभाविक भी है और मजबूरी भी। वह नहीं चाहता कि भारत पूरी तरह पश्चिमी खेमे की ओर झुक जाए और एशिया में उसके लिए संतुलन बिगड़ जाए।

भारत के लिए भी यह मौका है, पर खतरे से खाली नहीं। चीन के शब्द मधुर हो सकते हैं, पर उसकी नीति हमेशा अपने हित के इर्द गिर्द घूमती है। सीमा पर शांति की बात स्वागत योग्य है, पर जमीन पर सख्त चौकसी ढीली नहीं पड़नी चाहिए। इतिहास बताता है कि भरोसा और सतर्कता दोनों साथ साथ चलाने पड़ते हैं।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता पर चीन का नरम संकेत महत्वपूर्ण है, क्योंकि उसके बिना सुधार की गाड़ी आगे नहीं बढ़ सकती। लेकिन केवल समझने और सम्मान करने से काम नहीं चलेगा, खुला और स्पष्ट समर्थन ही असली कसौटी होगा। बहरहाल, यदि भारत और चीन सच में प्रतिस्पर्धा को नियंत्रित कर सहयोग का रास्ता निकाल लेते हैं, तो इसके वैश्विक और क्षेत्रीय भूराजनीतिक निहितार्थ गहरे होंगे। एशिया में तनाव घट सकता है, आपूर्ति श्रृंखलाएं स्थिर हो सकती हैं और ग्लोबल साउथ की आवाज मजबूत हो सकती है। इससे बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था को भी नया बल मिलेगा, जहां पश्चिम का वर्चस्व अकेला निर्णायक न रहे। पर अंतिम सवाल यही है कि क्या यह बदलाव स्थायी होगा या हालात बदलते ही फिर तल्खी लौट आएगी। भारत को इस नए दौर में आत्मविश्वास, आर्थिक शक्ति और सैन्य तैयारी के साथ कदम बढ़ाना होगा। दोस्ती की मेज पर हाथ मिलाते समय भी सीमा पर नजर और दिमाग, दोनों खुले रखने होंगे। यही परिपक्व शक्ति की पहचान है।

समस्याओं के निराकरण के बजाए अखाड़ा बनी संसद

-योगेंद्र योगी

देश में मौजूद गंभीर मुद्दों पर चर्चा और उनके समाधान के प्रयासों के बजाए निहित राजनीतिक स्वार्थों के लिए संसद में दलगत राजनीति भारी पड़ रही है। संसद सत्तारुढ़ और विपक्ष के लिए अखाड़ा बनी हुई है। देश के कर्णधारों को देश की बिगड़ती दिशा—दशा की कोई परवाह नहीं है। दिल्ली अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) और अन्य शोधों के अनुसार, वायु प्रदूषण न केवल श्वसन प्रणाली, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य को भी गंभीर रूप से प्रभावित कर रहा है। जहरीली हवा के लंबे समय तक संपर्क में रहने से तनाव, चिंता, अवसाद (डिप्रेशन), संज्ञानात्मक हानि और बच्चों में एडीएचडी जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं, जिसे विशेषज्ञ एक मानसिक स्वास्थ्य आपातकाल मान रहे हैं। एरोसोल सूक्ष्म कणों पीएम 2.5 और जहरीली गैसों से दिमागी सूजन और ऑक्सीडेटिव तनाव होता है, जो अवसाद और चिड़चिड़ापन पैदा करता है। प्रदूषण के कारण वयस्कों में भावनात्मक थकान, निर्णय लेने की क्षमता में कमी और बच्चों में सीखने में कठिनाई देखी जा रही है। लंबे समय तक प्रदूषित हवा में रहने से अल्जाइमर और पार्किंसंस जैसे तंत्रिका अपक्षयी विकारों का खतरा बढ़ जाता है। अध्ययन बताते हैं कि पीएम 2.5 के एरोसोल घटक, डिप्रेशन और चिंता से सीधे जुड़े हैं। एम्स की एक अन्य रिसर्च में स्पीच एनालिसिस तकनीक के जरिए डिप्रेशन की पहचान की जा रही है, जो बताता है कि मानसिक स्वास्थ्य पर प्रदूषण का असर कितना गहरा है। विशेषज्ञों के अनुसार, स्मॉग के दौरान बाहर निकलने से बचें, मास्क का उपयोग करें, घर में एयर प्यूरीफायर लगाएं और तनाव कम करने के लिए योग व स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं। इसी तरह इंडियन साइकियाट्रिक सोसायटी की 77वीं वार्षिक राष्ट्रीय कॉन्फ्रेंस में विशेषज्ञों ने बताया कि आज भारत में करीब 60 प्रतिशत मानसिक रोग 35 साल से कम उम्र के लोगों में पाए जा रहे हैं। यह आंकड़ा इसलिए चिंताजनक है क्योंकि यही उम्र पढ़ाई पूरी करने, करियर बनाने और समाज में सक्रिय भूमिका निभाने की होती है। अगर इसी समय मानसिक समस्याएं शुरू हो जाएं और उनका इलाज न हो, तो इसका असर पूरी जिंदगी पर पड़ सकता है। कांफ्रेंस में यह भी बताया गया कि कोविड-19 महामारी, आर्थिक अस्थिरता और बदलती सामाजिक संरचना ने युवाओं के तनाव को और बढ़ा दिया है। महामारी के बाद पढ़ाई, नौकरी और भविष्य को लेकर अनिश्चितता ने चिंता और डिप्रेशन के मामलों में इजाफा किया है। जिम्मेदार राष्ट्र सूचकांक-2026 में सिंगापुर पहले स्थान पर काबिज है, वहीं भारत 16वें नंबर पर है। रिपोर्ट में यह आंका गया है कि कोई देश अपने लोगों और पूरी दुनिया के लिए कितना जिम्मेदार है। इस सूची में सिंगापुर को दुनिया का सबसे जिम्मेदार देश घोषित किया गया है। सिंगापुर ने शासन, समाज और पर्यावरण के क्षेत्र में बेहतर काम करके पहला स्थान हासिल किया है। इसी तरह साल 2026 के ग्लोबल सॉफ्ट पावर इंडेक्स में भारत 48.0 के स्कोर के साथ इस फेहरिस्त में 32वें स्थान पर है। यह पिछले साल के मुकाबले दो स्थान नीचे और 1.8 अंक कम है। सॉफ्ट पावर किसी देश की उस क्षमता को कहते हैं, जिसमें वह सैन्य बल के बजाय अपनी संस्कृति और मूल्यों से दूसरे देशों को प्रभावित करता है। विश्व रैंकिंग में भारत का स्थान और घरेलू आतंरिक चुनौतियों पर चर्चा और इनके समाधान के बजाए सबसे बड़ा लोकतांत्रिक मंच संसद तमाशा बनी हुई है। सांसद देश की वास्तविक समस्याओं पर चर्चा करने के बजाए गरिमा को तार—तार करने में लगे हुए हैं। संसद के मौजूदा सत्र में लोकसभा में भारी हंगामे के दौरान कुछ सांसदों ने स्पीकर के आसन की ओर कागज फेंके, जिसके बाद उन्हें सत्र की बाकी अवधि के लिए निलंबित कर दिया गया। यह कार्रवाई संसदीय कार्य मंत्री के प्रस्ताव पर हुई, जिसे सदन ने मंजूर कर लिया। दरअसल, राहुल गांधी को बोलने से रोके जाने पर विपक्षी दल भड़क गए थे और हंगामा शुरू कर दिया था। इस मामले में कुल आठ सांसदों पर कार्रवाई हुई और उन्हें निलंबित कर दिया गया। लोकसभा में पीएम मोदी का अभिभाषण होना था, उनको धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देना था। इसके लिए पीएम मोदी लोकसभा में पहुंच भी चुके थे। लेकिन उनका अभिभाषण शुरू होने से पहले ही सदन की कार्यवाही गुरुवार सुबह 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। विपक्ष के हंगामे की वजह से सदन की कार्यवाही स्थगित की गई। भारत- यूएस ट्रेड डील पर केंद्रीय वाणिज्?य मंत्री पीयूष गोयल ने सरकार का पक्ष रखना शुरू किया था, तो विपक्षी सांसदों ने हंगामा शुरू कर दिया था। पीयूष गोयल ने इस दौरान कहा कि भारत और अमेरिका के बीच हुई ट्रेड डील पर कहा कि इसमें किसानों के हितों को सुरक्षित रक्षा गया है।

कृषि उपज के लिए बाजार को खोलना यानी बवंडर को निमंत्रण

भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी। इससे ग्रामीण अमेरिका में नकदी आएगी। रोलिंग्स यहीं पर नहीं रूके। उन्होंने सिर्फ 2024 के आंकड़ों का हवाला देते हुए लिखा कि भारत के साथ कृषि कारोबार के चलते अमेरिका को 1.3 अरब डॉलर का घाटा हो रहा है। रोलिंग्स ने उम्मीद जताई कि नए व्यापार समझौते की वजह से विशाल आबादी वाला भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हो सकता है। रोलिंग्स की इस खुशी की वजह से भारतीय किसानों का आशंकित होना जायज है। अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा पचास अरब डॉलर है, इसलिए वह लगातार कोशिश करता रहा है कि भारत अपने कृषि बाजारों को खोले। भारत की चिंता की वजह उसकी खेती-किसानी वाली बड़ी जनसंख्या है। भारत के छियासी प्रतिशत किसान सीमांत या लघु हैं। जिनकी जोत दो हेक्टेयर से कम है। भारत में खेती पर करीब 10.7 करोड़ परिवार निर्भर हैं। यह जनसंख्या का करीब बासठ प्रतिशत है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजारों में घुसने की अनुमति मिलती है तो भारी सब्सिडी के चलते भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों से भर जाएंगे। इससे भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है। इससे भारतीय किसानों के सामने संकट उठ खड़ा हो सकता है।

-उमेश चतुर्वेदी

इसमें दो राय नहीं है कि संयुक्त राज्य अमेरिका बरसों से भारतीय कृषि बाजार में बड़ी और व्यापक पहुंच हासिल करने की कोशिश में है। हाल ही में अमेरिका के साथ भारत ने महत्वपूर्ण व्यापार समझौता किया है। इसके तहत अमेरिकी बाजारों में भारतीय सामान 18 प्रतिशत के ही टैरिफ पर उपलब्ध हो सकेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय सामानों पर मनमाने तरीके से थोपे गए पचास प्रतिशत के टैरिफ के मुकाबले मौजूदा व्यापार समझौते के तहत अमेरिका की ओर से प्रस्तावित 18 प्रतिशत का टैरिफ कम ही कहा जाएगा। हालांकि अतीत के करीब तीन प्रतिशत के मुकाबले फिर भी यह बहुत ज्यादा है। बहरहाल इसी समझौते के मद्देनजर जिस तरह से अमेरिकी कृषि मंत्री ब्रुक लेस्ली रोलिंग्स ने खुशी जताई, उससे भारतीय किसान आशंकित हो उठे।

भारतीय किसानों के आशंकित होने की वजह रोलिंग्स का बयान ही नहीं, अमेरिकी कृषि विभाग की कोशिशें भी हैं। रोलिंग्स ने व्यापार समझौते पर तीन फरवरी को एक्स पर खुशी जताते हुए लिखा कि यह समझौता अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारत के विशाल बाजार में अधिक निर्यात करने में मदद करेगा, जिससे अमेरिकी कृषि उत्पादों की कीमतें बढ़ेंगी। इससे ग्रामीण अमेरिका में नकदी आएगी। रोलिंग्स यहीं पर नहीं रूके। उन्होंने सिर्फ 2024 के आंकड़ों का हवाला देते हुए लिखा कि भारत के साथ कृषि कारोबार के चलते अमेरिका को 1.3 अरब डॉलर का घाटा हो रहा है। रोलिंग्स ने उम्मीद जताई कि नए व्यापार समझौते की वजह से विशाल आबादी वाला भारत अमेरिकी कृषि उत्पादों के लिए महत्वपूर्ण बाजार हो सकता है।

रोलिंग्स की इस खुशी की वजह से भारतीय किसानों का आशंकित होना जायज है। अमेरिका का कृषि व्यापार घाटा पचास अरब डॉलर है, इसलिए वह लगातार कोशिश करता रहा है कि भारत अपने कृषि बाजारों को खोले। भारत की चिंता की वजह उसकी खेती-किसानी वाली बड़ी जनसंख्या है। भारत के छियासी प्रतिशत किसान सीमांत या लघु हैं। जिनकी जोत दो हेक्टेयर से कम है। भारत में खेती पर करीब 10.7 करोड़ परिवार निर्भर हैं। यह जनसंख्या का करीब बासठ प्रतिशत है। अगर अमेरिकी कृषि उत्पादों को भारतीय बाजारों में घुसने की अनुमति

मिलती है तो भारी सब्सिडी के चलते भारतीय बाजार अमेरिकी कृषि उत्पादों से भर जाएंगे। इससे भारतीय उत्पादों की मांग घट सकती है। इससे भारतीय किसानों के सामने संकट उठ खड़ा हो सकता है।

किसानों की आशंकाओं को विपक्षी दलों ने अपने ऊंचे सुरों से और बढ़ाया ही है। लेकिन कृषि, किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह का कहना है कि भारत-अमेरिकी व्यापार समझौते में भारतीय कृषि और डेयरी क्षेत्र के हितों से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया गया है और किसानों के हित पूरी तरह सुरक्षित हैं। चौहान का यह भी कहना है कि इस कारोबारी समझौते से देश के मुख्य खाद्यान्नों, मिलेट्स, फलों,सब्ज़ियों और डेयरी उत्पादों को पूरी तरह अलग रखा गया है। इस लिहाज से देखें तो इस कारोबार समझौते से देश के कृषि और डेयरी क्षेत्र पर किसी प्रकार का खतरा नहीं है। शिवराज सिंह चौहान के मुताबिक, इस समझौते से भारतीय किसानों को नए अवसर मिलेंगे,क्योंकि इस समझौते में कृषि क्षेत्र को नुकसान पहुंचाए, ऐसा कोई प्रावधान नहीं किया गया है। भारत अमेरिका समेत दुनिया के कई देशों को चावल का बड़ा निर्यातक है। हालिया आंकड़ों के अनुसार, भारत की ओर से अमेरिका समेत कई देशों को करीब 63 हजार करोड़ के चावल का निर्यात कर चुका है। भारत सरकार का दावा है कि नए टैरिफ समझौते से भारतीय किसानों के चावल और मसालों के साथ ही टेक्सटाइल का निर्यात बढ़ेगा।

भारत-अमेरिकी समझौते के तहत भारत को अमेरिका से पांच सौ अरब डॉलर का सामान पांच सालों में खरीदना है। वैसे समझौते पर जो संयुक्त वक्तव्य जारी हुआ है, उसके तहत भारतीय कृषि बाजार को भी खोलने की बात कही गई है। लेकिन सरकारी सूत्रों का कहना है कि इस समझौते से, भारतीय चावल, गेहूं, सोया और मक्का जैसे अनाजों को बाहर रखा गया है और साथ ही ट्रेड डील से चीनी और डेयरी प्रोडक्ट्स भी बाहर हैं। ऐसा करने की वजह यह है कि भारतीय किसान और डेयरी उद्योग को कारोबारी परेशानियां न झेलनीं पड़ें। वैसे भी भारत लंबे समय से कृषि और डेयरी उद्योग को 'रेड-लाइन' यानी किनारे रखने वाला सेक्टर मानता रहा है। इसकी वजह है कि गांवों में इनसे जुड़े काफी रोजगार हैं। इन सेक्टर को खोलने को लेकर भारत की बातचीत यूरोप और ब्रिटेन से भी अटक चुकी है। ऐसे में अमेरिका के लिए इस बाजार को खोलना भारतीय किसानों के लिए नुकसानदायक तो होगा ही, राजनीतिक बवंडर की वजह भी बन सकता है। इस बवंडर का सामना करने की हिम्मत विरली राजनीतिक ताकतें ही कर सकती हैं। इस समझौते से भारतीय निर्यातकों, खासतौर पर एमएसएमई, किसानों और मछुआरों के लिए तीन लाख अरब अमेरिकी डॉलर का बड़ा बाजार खुलने की उम्मीद है। इसकी वजह से जो निर्यात बढ़ेगा, उससे महिलाओं और युवाओं के लिए लाखों नए रोजगार के अवसर सृजित होने की संभावना जताई जा रही है। भारत मक्का, गेहूं, चावल, सोया, मुर्गी पालन, दूध, पनीर, एथनॉल, तंबाकू, सब्जियां और मांस सहित संवेदनशील कृषि और दुग्ध उत्पादों को पूर्ण रूप से संरक्षित करेगा। दोनों देश अपने-अपने हित वाले क्षेत्रों में एक-दूसरे को तरजीही बाजार पहुंच प्रदान करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

आंकड़ों के अनुसार, साल 2024 में भारत ने अमेरिका से 2.4 अरब डॉलर के कृषि उत्पाद आयात किए थे, जिनमें ज्यादातर ताजे फल, सूखे मेवे, बादाम, अखरोट मादक पेय, कच्चा कपास, वनस्पति तेल और प्रोसेस्ड सामान हैं। दूसरी तरफ भारत ने अमेरिका को 6.2 अरब डॉलर का कृषि निर्यात किया, जिनमें समुद्री उत्पाद, मसाले, डेयरी उत्पाद, चावल, जड़ी-बूटियों के आयुर्वेदिक उत्पाद प्रमुख रहे। यह भारत के कुल 53.2 अरब डॉलर सालाना के कृषि निर्यात का 11.74 प्रतिशत है।

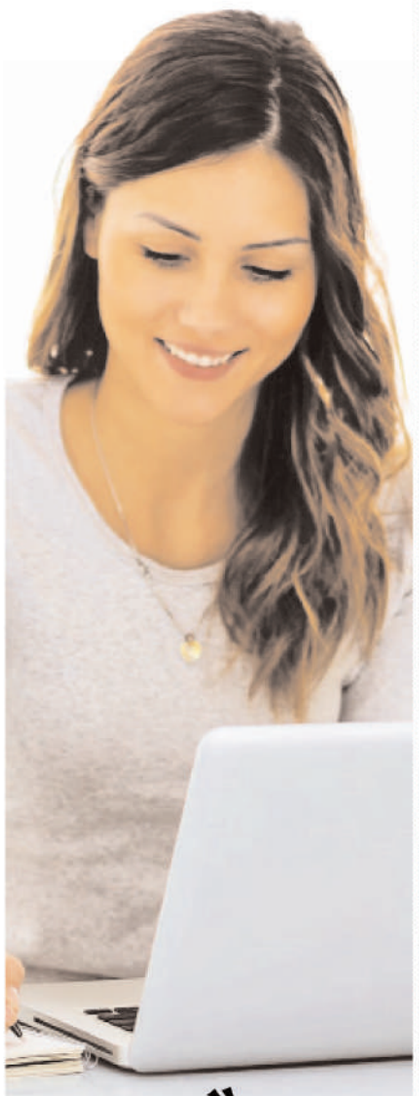

आसान फैसला नहीं है फ्रीलांसिंग शुरु करना

काम-काज की स्वतंत्रता और अच्छी कमाई के चलते आजकल बहुत से लोग अलग-अलग फील्ड्स में फ्रीलांसिंग को रोजगार के विकल्प में अपनाने लगे हैं। फ्रीलांसिंग शुरु करना बहुत आसान फैसला नहीं है। इसमें कई सारी बातों आपको ध्यान में रखनी होती है जो कि आपके स्वतंत्र करियर को बना या बिगाड़ सकती है। यहां सबसे बड़ी चुनौती मार्केट में खुद को स्थापित करना होता है। स्थापित होने में, क्लाइंट्स को आकर्षित करने में समय भी लगता ही है। अगर आप जॉब छोड़कर फ्रीलांसिंग करने की सोच रहे हैं, तो आपको कुछ बातों पर गौर करना जरूरी है। इसके लिए सबसे अच्छा तरीका है खुद को एनालाइज करना। अगर आपके मन में भी फ्रीलांसिंग की इच्छा है तो पहले इन पांच सवालों के बारे में सोच लें।

- स्वतंत्र करियर बनाने की मात्र इच्छा है या आपके अंदर इसे लेकर पैशन है
- आपको क्यों लगता है कि कंपनी के पेरोल से बेहतर आप कर सकते हैं?
- आपके पास क्या सर्विसेस हैं और किसके लिए हैं?
- आपको कैसे इस बात में यकीन है कि आप यह कर पाएंगे?
- कोई भी नई शुरुआत धीरे-धीरे जोर पकड़ती है, क्या आपके पास तब तक सर्वाइव करने के लिए बैकअप अरेंजमेंट है?

इन पांचों सवालों के ईमानदारी से जवाब देकर आप कोई बड़ा कदम उठाने से पहले आश्वस्त हो सकते हैं। अनिश्चित आय-नौकरी से स्वतंत्र काम शुरु करने पर शुरुआत में कुछ मुश्किल हो सकती हैं। नौकरी की तरह आपकी आय निश्चित नहीं होगी। इसलिए यह जरूरी है कि पहले आप अच्छे से मनन-चिंतन कर आगे कदम बढ़ाएं ताकि आपको पीछे मुड़कर नहीं देखना पड़े।

प्रोडक्शन और ब्रांडिंग से जुड़ी फील्ड है प्रोडक्ट मैनेजमेंट

गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई इसी फील्ड से निकलकर आज एक बड़ा नाम बन चुके हैं। बतौर प्रोडक्ट मैनेजर ऐसे लोग उपभोक्ता का मूड बहुत अच्छी तरह समझते हैं। उनमें प्रोडक्ट की ब्रांडिंग स्किल कमाल की होती है। यूं कहें कि इनकी देखरेख में ही नए-नए प्रोडक्ट बनते और लॉन्च होते हैं। यही वजह है कि कंपनियों के ब्रांड डेवलपमेंट विंग में इन दिनों यह जॉब इन डिमांड है।

करियर स्कोप

ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) के वार्षिक सर्वे के मुताबिक विश्व भर के करीब 96 प्रतिशत नियोक्ताओं का भरोसा सिर्फ एमबीए ग्रेजुएट्स पर है। इनका मानना है कि ऐसे प्रोफेशनल्स की वजह से ही उनकी कंपनियों को सही वैल्यू मिलती है। करियर विशेषज्ञों का मानना है कि स्टार्ट-अप सेक्टर में आए बूम और मेक इन इंडिया जैसे अभियानों की वजह से आने वाले दिनों में एंटरप्रेन्योर्स की तादाद और ज्यादा बढ़ेगी। इससे कंज्यूमर कंपनीज के मैन्युफैक्चरिंग और प्रोडक्शन सेक्शन में प्रोडक्ट मैनेजमेंट के प्रोफेशनल्स की अच्छी डिमांड पैदा होगी और यह हो भी रही है।

क्या है काम?

प्रोडक्ट मैनेजमेंट मुख्य रूप से प्रोडक्शन और ब्रांडिंग से जुड़ी फील्ड है। यह मैनेजमेंट की ही एक शाखा है। इसके अंतर्गत किसी भी नए प्रोडक्ट के आइडिएशन और प्लानिंग से लेकर मैन्युफैक्चरिंग, प्राइसिंग, पैकेजिंग, सेल्स एक्टिविटी और ब्रांडिंग जैसी तमाम प्रक्रियाएं शामिल हैं। कंपनी में प्रोडक्ट मैनेजर आम तौर पर दो तरह की जिम्मेदारियां निभाते हैं। पहला, कंपनी के प्रोडक्ट या सर्विस को बाजार में बनाए रखना और दूसरा, नए प्रोडक्ट या सर्विसेज विकसित करना। ऐसे प्रोफेशनल्स को कंज्यूमर रिसर्च और मार्केट रिसर्च की भी अच्छी समझ होती है। ब्रांडिंग वर्क इस पेशे का सिर्फ एक हिस्सा भर है। कंपनियों में प्रोडक्ट मैनेजर की हैसियत मिनी सीईओ जैसी होती है।

पर्सनल स्किल

कंपनियों में यह एक जिम्मेदारी भरा पद है। आइडिएशन और प्लानिंग इनके करियर का अहम हिस्सा होते हैं। इसलिए उम्मीदवारों को क्रिएटिव और इनोवेटिव सोच का होना जरूरी है। वे मैथ्स और फाइनेंस की अच्छी स्किल रखते हों। इंफॉर्मेशन फिल्टरिंग के लिए एनालिटिकल एबिलिटी होनी चाहिए। टीमवर्क, लीडरशिप, कम्युनिकेशन स्किल और मार्केट ट्रैंड की समझ भी जरूरी है।

प्रमुख संस्थान

- आईआईटी, दिल्ली
- इंडियन स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एडमिनिस्ट्रेशन, मुंबई/ चेन्नाई/ हैदराबाद
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग, मुंबई
- अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई

आकर्षक ग्रोथ

प्रोडक्ट मैनेजमेंट भले ही नए दौर की जॉब है लेकिन यहां ग्रोथ बहुत है। पे-स्केल सर्वे के अनुसार, करीब 58 प्रतिशत प्रोडक्ट मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स को 10 साल के करियर में तीन से चार प्रमोशन आसानी से मिल जाते हैं। इस फील्ड की नियोक्ता कंपनियां एमबीए या बीटेक के बाद हायरिंग में कंसल्टिंग, फाइनेंस या अकाउंटिंग के ग्रेजुएट्स को ज्यादा तरजीह देती हैं। मार्केटिंग ग्रेजुएट और बीबीए उम्मीदवार भी मार्केटिंग असिस्टेंट या एसोसिएट ब्रांड मैनेजर के तौर पर यहां जॉब पा सकते हैं।

जॉब के अवसर

अगर इस फील्ड में जॉब की बात करें, तो आईटी व आईटीईएस कंपनी, ऑटोमोबाइल कंपनी, कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी, मोबाइल, फार्मास्युटिकल, हेल्थकेयर, फूड एंड पर्सनल केयर जैसी कंपनियों में जॉब की तलाश की जा सकती है। एचआर एक्सपर्ट्स की मानें, तो 2026 में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में करीब 6 लाख हायरिंग होने की उम्मीद है।

कौन-से कोर्स?

देश में कई सरकारी और निजी संस्थान प्रोडक्ट मैनजमेंट से संबंधित कोर्स ऑफर कर रहे हैं। ये कोर्स एमबीए के अलावा, डिप्लोमा और पीजी डिप्लोमा के रूप में भी उपलब्ध हैं, जैसे पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड ऑपरेशंस मैनेजमेंट, पीजी डिप्लोमा इन प्रोडक्शन एंड मटेरियल मैनेजमेंट आदि। कई आईटी संस्थानों में प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के रूप में भी ये कोर्स संचालित हो रहे हैं। अगर आप प्रोडक्ट मैनेजमेंट या ब्रांड मैनेजमेंट में एमबीए करना चाहते हैं, तो ग्रेजुएशन के बाद कर सकते हैं। पीजी डिप्लोमा के लिए ग्रेजुएशन जरूरी है।

सैलरी पैकेज

प्रोडक्ट मैनेजमेंट एक हाई पेइंग फील्ड है। एंट्री लेवल पर असिस्टेंट मैनेजर जैसे पदों के लिए 30 हजार से 50 हजार रुपए की सैलरी प्रति माह आसानी से मिल जाती है। कुछ वर्षों के अनुभव के बाद बतौर प्रोडक्ट मैनेजर इनकी सैलरी 1 लाख रुपए से भी ज्यादा हो जाती है। डिप्लोमाधारी प्रोफेशनल्स को भी इस फील्ड में शुरुआती दौर में 25 से 50 हजार रुपए प्रति माह मिल जाते हैं।

युवाओं के लिए बेहतरीन करियर विकल्प ह्यूमन रिसोर्स

नए करियर की तलाश कर रहे युवाओं के लिए ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट एक बेहतरीन करियर विकल्प के रूप में उभर रहा है। खासकर वर्तमान प्रतिस्पर्धी माहौल में अच्छे एम्प्लॉई को हायर करना मुश्किल काम हो गया है, लेकिन एचआर की जिम्मेदारी होती है कि वे ऐसे लोगों को हायर करें, जो कंपनी या ऑर्गनाइजेशन के मिशन को पूरा करने में सहायक हों। साथ ही, ट्रेनिंग, सैलरी आदि को हैंडल करना भी इन्हीं के जिम्मे होता है। यही कारण है कि इन दिनों एचआर की जरूरत करीब-करीब हर इंडस्ट्री में है।

आमतौर पर देश के प्रमुख बिजनेस स्कूल ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट में पोस्ट ग्रेजुएट कोर्स ऑफर करते हैं। जैसे-एमबीए इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, मास्टर ऑफ ह्यूमन रिसोर्स ऐंड ऑर्गनाइजेशनल डेवलपमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट, पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट। इन कोर्सों में एडमिशन पाने के लिए जरूरी है कि स्टूडेंट्स किसी मान्यताप्राप्त यूनिवर्सिटी से किसी भी संकाय में स्नातक में कम से कम 50 प्रतिशत अंक के साथ उत्तीर्ण हों। इस कोर्स के लिए चयन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। अधिकतर सरकारी संस्थानों में कॉमन एंट्रेंस टेस्ट का आयोजन किया जाता है। प्रवेश परीक्षा में अंग्रेजी, तर्क शक्ति अर्थात रीजनिंग, जनरल साइंस, जनरल नॉलेज आदि से जुड़े सवाल पूछे जाते हैं। लिखित परीक्षा में सफल होने के बाद जीडी और इंटरव्यू में हिस्सा लेना पड़ता है। इस प्रक्रिया के बाद ही एडमिशन हो पाता है।

स्किल्स

ह्यूमन रिसोर्स के फील्ड में सफल होने के लिए फैंडली पर्सनैल्टी का होना जरूरी है। सबसे खास बात यह कि एम्प्लॉई को हैंडल करने, यूनियन आदि से भी निपटने की काबिलियत के साथ-साथ प्रेशर में काम करने का गुण बेहद जरूरी है। एचआर की कम्युनिकेशन स्किल भी उम्दा होनी चाहिए, क्योंकि इनका काम टीम को एक साथ लेकर चलने के अलावा, एम्प्लॉई को मोटीवेट करना भी होता है। एचआर को कंपनी के कायदे-कानून के साथ-साथ नए ट्रेंड की भी जानकारी होनी चाहिए।

रोजगार के अवसर

एचआर के फील्ड में शानदार स्कोप है। चाहे कोई भी इंडस्ट्री हो या फिर बिजनेस, हर जगह इनकी मांग देखी जा रही है। दरअसल, इनका काम वर्क फोर्स को मैनेज करने से जुड़ा होता है। यही वजह है कि प्राइवेट क्षेत्र की कंपनियों के साथ-साथ गवर्नमेंट डिपार्टमेंट में भी इनकी मांग दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है। इन दिनों बड़ी और मल्टीनेशनल कंपनी के साथ-साथ छोटी-छोटी कंपनियों में ह्यूमन रिसोर्स से जुड़े पेशेवर लोगों की नियुक्ति की जा रही है। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट के क्षेत्र में कॉर्पोरेट हाउस, मल्टीनेशनल कंपनी, एयरलाइंस, फैक्टरी, गवर्नमेंट डिपार्टमेंट आदि में जॉब की तलाश की जा सकती है। ह्यूमन रिसोर्स आउटसोर्सिंग का क्षेत्र भी तेजी से बढ़ रहा है। भारत इस क्षेत्र में हॉट स्पॉट बनकर उभर रहा है। एचआर का कंपनी में एक महत्त्वपूर्ण स्थान होता है अत: इनकी सैलरी भी काफी अच्छी होती है। ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट का कोर्स पूरा करने के बाद शुरुआत में लोगों को चार से सात लाख रुपये का सालाना सैलरी पैकेज मिलने लगता है।

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। यदि कोई छात्र अपना करियर बनाने या जनता के लिए काम करने का इच्छुक है तो छात्रों के लिए सरकारी क्षेत्र में अवसरों की तलाश करने के लिए यह सबसे अच्छा और सबसे रचनात्मक करियर विकल्प है।

कला में स्नातक होने के बाद कॅरियर के अपार अवसर

कला में स्नातक होने के बाद छात्र को सरकारी क्षेत्र में कॅरियर के अपार अवसर मिल सकते हैं। यह बीए के बाद सबसे अच्छे कॅरियर विकल्पों में से एक है जो सुरक्षित क्षेत्रों में से एक है जो आपको कठोर स्थिति में भी स्थिति या पद के साथ स्थायी नौकरी की सुरक्षा प्रदान करता है। कला स्नातक (बीए) में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद हम में से बहुत से लोग यह नहीं जानते हैं कि अपनी मूल डिग्री के संकलन के बाद उन्हें किस कैरियर का अनुसरण करना चाहिए। क्या वे उच्च ऑनलाइन शिक्षा के लिए जाएंगे या प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करेंगे या उन्हें कॉर्पोरेट जगत में कदम रखना चाहिए? तो आईये जानते हैं कि बीए करने बाद आपके लिए करियर विकल्प क्या हो सकते हैं।

बीए के बाद करियर

कैरियर के अवसरों की एक विस्तृत श्रृंखला ने बीए क्षेत्र में रखा है जो पहले प्रौद्योगिकी में एक सर्वश्रेष्ठ और चयनात्मक करियर रहा है और जो आपके संपूर्ण व्यक्तित्व को विकसित करने के साथ-साथ डिजाइनिंग, पत्रकारिता, मीडिया, सामग्री निर्माण या इससे भी अधिक रचनात्मक कार्य प्रोफाइल जहां कला स्नातक में स्नातक छात्र ने एक स्थान हासिल किया है। कला स्नातक तीन साल की बुनियादी डिग्री होती है जो कला से संबंधित विषयों जैसे उदार कला, सामाजिक विज्ञान, मानविकी, आदि के सामान्य अध्ययन के साथ होती है। बीए की डिग्री में साहित्य, मनोविज्ञान, दर्शन, संचार, अंग्रेजी, राजनीति विज्ञान, इतिहास, भूगोल, संस्कृत, और अन्य कला जैसे विषय शामिल होते हैं। छात्र अपनी रुचि और करियर के लक्ष्यों के अनुसार डिग्री विषय का विकल्प चुन सकते हैं। बीए में अवसर प्रतिस्पर्धी दुनिया में अवसरों की एक श्रृंखला है जिसे आप कला में स्नातक पूरा करने के बाद खोज सकते हैं।

मीडिया, पत्रकारिता और जनसंचार

पत्रकारिता और जनसंचार लोकप्रिय क्षेत्रों में से एक है जिसने डिजिटल दुनिया के वर्तमान समय में काफी लोकप्रियता हासिल की है। पत्रकारिता एक विशाल क्षेत्र है जिसमें बड़े समाचार चैनलों के साथ सामग्री लिखने, पत्रिकाओं के लिए फीचर या यहां तक कि कैमरे के सामने और कैमरे के पीछे एंकर के साथ काम करना शामिल है। मीडिया उन बहुतायत क्षेत्रों में से एक है जिसमें एक छात्र काम कर सकता है। पत्रकारिता कार्यक्रमों में बीए पूरा करने के बाद छात्र संचार में परास्नातक कर सकते हैं या एक निश्चित मीडिया विशेषज्ञता जैसे लेखन, टीवी पत्रकारिता, पटकथा लेखन, फिल्म निर्माण, कॉर्पोरेट संचार, आदि में पीजी डिप्लोमा के लिए जा सकते हैं।

डिजिटल मार्केटिंग

यह सबसे महत्वपूर्ण और सबसे अधिक मांग वाला कोर्स है जिसे आज के युवाओं द्वारा डिजिटल दुनिया में अपना करियर बनाने के लिए चुना जाता है। डिजिटल मार्केटिंग उन छात्रों के लिए सबसे अच्छा विकल्प है जो ई-कॉमर्स पोर्टल पर अपना स्टार्टअप, व्यवसाय या उद्यम, वेबसाइट, उत्पाद खोलना चाहते हैं। ऑनलाइन व्यवसाय तेजी से बढ़ रहे हैं, लगभग अरबों से अधिक लोग माल और सेवाओं के लिए ई-कॉमर्स पोर्टल का उपयोग कर रहे हैं, इसलिए यह उनके डिजिटल-आधारित व्यवसाय को खोलने के लिए एक विशाल और आकर्षक क्षेत्र है। डिजिटल मार्केटिंग में नौकरी के अवसर-

- डिजिटल मार्केटिंग मैनेजर
- सर्च इंजन ऑप्टिमाइजर
- सोशल मीडिया मार्केटर
- सामग्री विपणक
- ईमेल मार्केटर
- डेटा विश्लेषक

डेटा साइंटिस्ट

एक गलत धारणा है कि साइंस स्ट्रीम का छात्र केवल डेटा साइंटिस्ट बनने के योग्य होता है। कला में स्नातक रखने वाला छात्र अपने संबंधित क्षेत्रों या क्षेत्र में डेटा विज्ञान की दुनिया में कदम रख सकता है। डेटा साइंस संरचित या असंरचित डेटा से अंतर्दृष्टि निकालने के लिए वैज्ञानिक तरीकों के माध्यम से सिस्टम, एल्गोरिदम का उपयोग करके डेटा को छोटा या एकत्र करने का क्षेत्र है। यदि किसी छात्र की कंप्यूटर, सॉफ्टवेयर विकास, तकनीकी क्षेत्र में गहरी रुचि है तो वह इस विकल्प का चुनाव कर सकता है।

स्व. श्रवण कुमार वैश्य स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता का वार्ड पार्षद ने फीता काटकर किया शुभारंभ

सिंगरौली। बलियरी में स्व. श्रवण कुमार वैश्य स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता बलियरी प्रीमियर लीग सीजन-4 का वार्ड न 38 तुलसी पार्षद एवं अपीलीय समित सदस्य ननि अनिल कुमार वैश्य द्वारा फीता काटकर शुभारंभ किया। मुख्य अतिथि पार्षद श्री वैश्य खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का विधिवत उद्घाटन किया। उन्होंने बल्ला थामकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते युवाओं से कहा कि खेलेंगे युवा, बढ़ेंगे युवा के मंत्र से ही नए भारत का निर्माण संभव है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि नगर के विकास में खेलों का महत्वपूर्ण योगदान होता है। खेल न केवल शारीरिक स्वास्थ्य के लिए आवश्यक हैं बल्कि यह युवाओं को टीम वर्क और जीवन की चुनौतियों से संघर्ष करना भी सिखाते हैं। इस अवसर पर दीपेश वैस, रविचंद्र वैश्य, अरविंद कुमार वैस, राम बाबू वैश्य, राहुल वैस आदि लोग उपस्थित रहे ।

एसपी ने कहा रात्रि 10 बजे के बाद डीजे व ध्वनि विस्तारक यंत्र प्रतिबंधित

सिंगरौली। परीक्षा के मौके पर पढ़ाई में खलल डाल रहे बेलगाम डीजे लाउडस्पिकर वालों को पुलिस प्रशासन ने चेतावनी जारी की है। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने आज बुधवार को जिले में ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा वर्तमान में बच्चों की परीक्षाओं को दृष्टिगत रखते हुए जिले के सभी डीजे संचालकों, आयोजकों एवं संबंधित व्यक्तियों हेतु चेतावनी भरा निर्देश जारी किए हैं। पुलिस प्रशासन ने कहा है कि रात्रि 10 बजे के बाद किसी भी प्रकार का डीजे, साउंड सिस्टम या ध्वनि विस्तारक यंत्र बजाना पूर्णतः प्रतिबंधित है। बिना सक्षम अनुमति डीजे संचालित करना दंडनीय होगा। ध्वनि स्तर निर्धारित मानकों से अधिक नहीं होना चाहिए। विद्यालयों, आवासीय क्षेत्रों के समीप विशेष सावधानी बरती जाए। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री ने अपील करते हुए कहा है कि वर्तमान समय में विद्यार्थियों की परीक्षाएँ संचालित हो रही हैं। रात्रि में तेज ध्वनि से विद्यार्थियों की पढ़ाई बाधित होती है, जो अस्वीकार्य है। कहा गया है कि निर्देशों का उल्लंघन करने पर डीजे जप्ती व चालानी कार्यवाही एवं अपराध पंजीबद्ध किया जाएगा।

करंट की चपेट मे आने से बंदर घायल

सिंगरौली। वन परिक्षेत्र बैढन अन्तर्गत गनियारी मुक्ति धाम के पास 11 हजार केव्ही विद्युत लाईन से करंट लगने से घायल काले मुह के बदंर की सूचना प्राप्त होने पर वन अमले द्वारा घायल बंदर का रेसक्यु कर जिला पशु चिकित्सालय बैढन में उपचार कराया गया । उपचार उपरान्त 24 घण्टे की निगरानी के पश्चात स्वस्थ होने के उपरान्त बंदर को वन परिक्षेत्र बैढ़न अंतर्गत वन क्षेत्र में सुरक्षित छोड़ा गया। यह कार्यवाही डीएफओ अखिल बंसल,उप वनमण्डलाधिकरी बैढन नरेन्द्र त्रिपाठी के मार्गदर्शन एंव राजकुमार यादव वन परिक्षेत्राधिकारी बैढन, सुरेश सिंह मरकाम परिक्षेत्र सहायक बैढन, भाग्योदय सिंह,विपिन पाण्डेय, महेन्द्र तिवारी एंव इन्द्रजीत सिंह स्थायीकर्मी का सहयोग रहा।

अवैध गिट्टी परिवहन पर खनिज विभाग की कार्यवाही

बिना अभिवाहन पास के पकड़ा गया ट्रैक्टर, वाहन जब्त

सिंगरौली। कलेक्टर गौरव बैनल के निर्देशानुसार जिले में अवैध खनिज परिवहन के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत खनिज विभाग ने बड़ी कार्रवाई की है। खनिज अधिकारी सुश्री आकांक्षा पटेल के मार्गदर्शन में सहायक खनि अधिकारी रामसुशील चौरसिया द्वारा जांच के दौरान एक ट्रैक्टर को गिट्टी का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। जांच में पाया गया कि संबंधित वाहन चालक के पास खनिज अभिवाहन पास नहीं था, जिससे परिवहन अवैध पाया गया। कार्रवाई करते हुए बिना नंबर वाले ट्रैक्टर को मौके पर ही जब्त कर पुलिस थाना बरगवां में सुरक्षार्थ खड़ा कराया गया है। खनिज विभाग द्वारा जब्त वाहन के विरुद्ध खनिज नियमों के तहत

अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने स्पष्ट किया है कि अवैध खनिज परिवहन के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा।

परिवहन व खनिज विभाग की संयुक्त कार्यवाही

बिना ई-टीपी कोयला परिवहन करते पकड़ाया मालवाहक

सिंगरौली। कलेक्टर गौरव बैनल की अध्यक्षता में कलेक्टरेट सभागार में आयोजित जिला स्तरीय डीएल बैठक में दिए गए थे। निर्देशों के पालन में परिवहन एवं खनिज विभाग द्वारा जिले में संयुक्त रूप से सघन जांच एवं जनजागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान का मुख्य उद्देश्य अवैध खनिज परिवहन पर रोक लगाना,सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा पर्यावरण संरक्षण के नियमों का कड़ाई से पालन कराना रहा। संयुक्त जांच के दौरान बिना ई-टीपी के कोयला परिवहन करते पाए गए मालवाहक वाहन क्रमांक यूपी 64 सीटी 4374 को नियम विरुद्ध पाए जाने पर जब्त कर सुरक्षार्थ मोरवा थाना परिसर में खड़ा कराया गया। वाहन के विरुद्ध नियमानुसार अग्रिम वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी विक्रम सिंह राठौर के मार्गदर्शन में टीम द्वारा प्रदूषण प्रमाण पत्र ,ओवरलोडिंग, खनिज अभिवहन पास, बीमा एवं फिटनेस प्रमाण पत्र सहित अन्य दस्तावेजों की जांच की गई। नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। यह अभियान परसौना चौकी, बारगवां बायपास, विंध्यनगर,शक्तिनगर मार्ग, मुड़वानी,जयंत एवं शुक्ला मोड़ तक संचालित किया गया।

मेरा सेक्टर,सबसे बेहतर पहल से स्वास्थ्य सेवाओं को मिलेगी नई मजबूती

स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग की बैठकें माडा, चितरंगी व देवसर में आयोजित

सिंगरौली। आकांक्षी जिला सिंगरौली में स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा मेरा सेक्टर, सबसे बेहतर कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य विभाग एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की संयुक्त बैठकें विकासखंड माडा, चितरंगी एवं देवसर में आयोजित की गईं। यह बैठक सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चितरंगी, सामुदायिक भवन माडा एवं मंगल भवन देवसर में संपन्न हुईं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य दोनों विभागों के बीच समन्वय स्थापित कर जमीनी स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाना है। देवसर में आयोजित बैठक मुख्य चिकित्सा

एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पुष्पराज सिंह ठाकुर, डीपीओ आईसीडीएस जितेन्द्र गुप्ता, जिला स्वास्थ्य अधिकारी एवं सीबीएमओ देवसर की अध्यक्षता में हुई। बैठक में सेक्टर सरौंधा एवं देवसर के आंगनवाड़ी पर्यवेक्षक, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, सीएचओ, एएनएम एवं सेक्टर सुपरवाइजर की उपस्थिति में विभिन्न स्वास्थ्य एवं पोषण कार्यक्रमों की समीक्षा की गई तथा सुधार के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। चितरंगी में आयोजित बैठक में सेक्टर चितरंगी एवं नौगई के कार्यों की समीक्षा की गई। इस अवसर पर मुख्य खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. एचएस बैस, सत्येंद्र सोधिया सीडीपीओ, डॉ. गंगा जायसवाल आरबीएसके, प्रदीप निगवाल डीसीएम, रामलाल कोरी बीपीएम, छत्रपति सिंह बीसीएम एवं निखिल द्विवेदी आयुष्मान भारत सहित स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे। विकासखंड माडा में बैठक डॉ. पंकज सिंह एवं डॉ.विशेश सिंह की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जिसमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं, शत-प्रतिशत टीकाकरण, गर्भवती महिलाओं की नियमित जांच एवं ऑनलाइन पोर्टल में समय पर रिपोर्टिंग सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि सेक्टर स्तर पर पाई गई कमियों को दूर करने के लिए दोनों विभाग संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। इस पहल से जिले में स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होने के साथ ही मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में महत्वपूर्ण सफलता मिलने की उम्मीद है।

सीएमएचओ के निरीक्षण के दौरान मरीजों और परिजनों ने खुलकर रखी शिकायतें

देवसर सीएचसी में डॉक्टर के व्यवहार से मरीज परेशान, अस्पताल में बढ़ रहा असंतोष

इलाज के नाम पर एक जैसी दवाएं लिखने का आरोप, मरीजों ने दिखाई पर्चियां

पहले भी लग चुकी फटकार,फिर भी नहीं सुधर रही व्यवस्था

सिंगरौली। जिले के देवसर स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ डॉक्टर आनंद गुप्ता के व्यवहार एवं कार्यशैली को लेकर मरीजों और उनके परिजनों में भारी नाराजगी देखने को मिल रही है। इलाज की उम्मीद लेकर अस्पताल पहुंचने वाले लोगों को उचित उपचार और संतोषजनक व्यवहार नहीं मिलने का आरोप लगाया जा रहा है। बुधवार को सामने आए एक वीडियो में मरीजों की पीड़ा और आक्रोश स्पष्ट रूप से दिखाई दिया,जिससे अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े हो गए हैं। बुधवार दोपहर जब मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.पुष्पराज सिंह देवसर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण पर पहुंचे, तो अस्पताल में मौजूद मरीजों और उनके परिजनों ने डॉक्टर आनंद गुप्ता के खिलाफ शिकायतों की झड़ी लगा दी। कई मरीजों ने अपनी पर्चियां दिखाते हुए आरोप लगाया कि बिना ठीक से जांच किए एक जैसी दवाएं सभी को लिख दी जाती हैं। मरीजों का कहना है कि उनकी बीमारी और लक्षण अलग-अलग होने के बावजूद समान दवाएं दी जा रही हैं, जिससे उन्हें अपेक्षित लाभ नहीं मिल रहा है। स्थानीय लोगों ने यह भी आरोप लगाया कि डॉक्टर का व्यवहार मरीजों के प्रति संवेदनशील नहीं है, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार मरीजों को अपनी समस्या बताने का पूरा अवसर भी नहीं मिलता, जिससे उनमें असंतोष बढ़ रहा है। अस्पताल में आए दिन इस तरह की शिकायतें सामने आने से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार डॉक्टर आनंद गुप्ता को पूर्व में भी उनके कार्य एवं व्यवहार को लेकर तत्कालीन कलेक्टर द्वारा फटकार लगाई जा चुकी है तथा कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। इसके बावजूद स्थिति में अपेक्षित सुधार नहीं होने से मरीजों में नाराजगी बनी हुई है। क्षेत्रीय नागरिकों ने स्वास्थ्य विभाग से अस्पताल की व्यवस्था में सुधार कर मरीजों को बेहतर उपचार सुविधा उपलब्ध कराने की मांग की है, ताकि लोगों का सरकारी स्वास्थ्य सेवाओं पर विश्वास कायम रहे।

जानकारी के अनुसार सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवसर की चिकित्सकीय व्यवस्था पूरी तरह से अस्त-व्यस्त है। आलम यह है कि यहां के मरीजों का देखभाल अब सब कुछ भगवान भरोसे है। चिकित्सको की मनमानी से मरीजों का हाल बेहाल है। यहां के मरीज बताते है कि यह समस्या आज से नही कई वर्षो से है। जब से यहां की जवाबदेही सीबीएमओ डॉ.सीएल सिंह को सौंपी गई है तभी चिकित्सक मनमानी पर हैं। चिकित्सको की मनमानी को रोकने टोकने वाला कोई नही है। आरोप लग रहा है कि यहां के सीबीएमओ का ज्यादा वक्त सरई में गुजरता है। सरई अंचल के प्रति इतनी मोहमाया क्यो है यह तो वही बताएंगे। लेकिन इससे सबसे ज्यादा परेशानी व फजीहत मरीजो की हो रही है। अब मरीज धीरे-धीरे यहां के चिकित्सको के खिलाफ मुखर होने लगे हैं।

दरअसल सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र देवसर में मची भर्रेशाही को लेकर लगातार शिकायतें सामने आ रही हैं। कई बार यहां के विडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हुआ है। यहां तक कि गंभीर मरीजों का इलाज चिकित्सक नही करते। पिछले माह एक विडियो भी वायरल हुआ था,जहां सड़क हादसे में घायल युवक का इलाज के लिए जब अस्पताल ले जाया गया तो वहां कोई चिकित्सक नजर नही आए। जबकि अस्पताल एवं डॉक्टर कॉलोनी की दूरी चंद कदम की दूर पर है। इसके बावजूद चिकित्सक नही पहुंचे थे। जिसका विडियो भी वायरल हुआ और अस्पताल प्रबंधन की पोल खुल गई थी। आज सीएमएचओ ने जब अस्पताल का निरीक्षण किया तो वहां की अव्यवस्थाएं देखकर नाराज हुए और चिकित्सक की मनमानी पर फटकार भी लगाए।

इनका कहना है

आज देवसर में मरीजो के द्वारा शिकायत की गई है। बीएमओ को जांच के निर्देश दिए गए हैं। एक सप्ताह के अंदर नए चिकित्सक भेजेंगे ताकि मरीजों का उपचार कर सके। शिकायतें कई मरीजो ने किया है। आज औचक निरीक्षण के दौरान इस तरह की शिकायत मिली है।

डॉ.पुष्पराज सिंह ठाकुर
सीएमएचओ,सिंगरौली

समर्पण दिवस पर दी गई पितृ पुरुष को श्रद्धांजलि

सिंगरौली। भारतीय जनता पार्टी के पितृ पुरुष व जनसंघ के अध्यक्ष रहे पंडित दीनदयाल उपाध्याय की पुण्यतिथि पर भारतीय जनता पार्टी ने जिला स्तर से लेकर मंडलों तक कार्यक्रम आयोजित किए। समर्पण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी अपने समर्पण निधि जिसे आजीवन सहयोग निधि भी कहा जाता है की शुरुआत करती है।

भाजपा कार्यालय मे आयोजित समारोह मे विधिवत समर्पण दिवस का कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह के नेतृत्व मे तथा विधायक देवसर राजेंद्र मेश्राम की विशेष उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अर्चना सिंह तथा समर्पण निधि की प्रभारी एवं जिला उपाध्यक्ष पूनम गुप्ता मंचासीन रहे।

पितृ पुरुष की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा वक्ताओं ने अपने विचार कार्यकर्ताओं के बीच रखे। जिलाध्यक्ष सुंदरलाल शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि दीनदयाल के आदर्शों वाली ये पार्टी आज इतनी विशाल हो चुकी है कि पूरे देश मे उसी राष्ट्रवादी पार्टी की सरकार निहित है। ऐसे महान पुरुष के दिये गये संस्कारों से हम सब कार्यकर्ता संगठन के कार्यों मे लगे रहें यही उनके लिए सच्ची श्रद्धा और श्रद्धांजलि होगी।

अंतर क्षेत्रीय विद्यालयीन सांस्कृतिक प्रतियोगिता का हुआ समापन

सिंगरौली। मंगलवार को नॉर्दर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड की झिंगुरदा परियोजना में दो दिवसीय अंतर क्षेत्रीय विद्यालयीन सांस्कृतिक प्रतियोगिता वर्ष 2025-26 का समापन हुआ। 9 से 10 फरवरी तक आयोजित इस प्रतियोगिता में एनसीएल के लगभग 11 क्षेत्रों के विद्यालयों से 183 प्रतिभागियों ने लोक संगीत, लोकनृत्य, तबला वादन, भजन गायन, कव्वाली और विभिन्न वाद्य यंत्रों जैसे हारमोनियम, सिंथेसाइजर एवं गिटार की मनमोहक प्रस्तुतियाँ दीं। इस दौरान ककरी की टीम ने 19 अंक प्राप्त कर चैंपियनशिप ट्रॉफी अपने नाम की एवं 15 अंकों के साथ संयुक्त रूप से मुख्यालय निगाही एवं खड़िया की टीम उपविजेता रही। इस अवसर पर महाप्रबंधक मानव संसाधन, राजेश त्रिवेदी महाप्रबन्धक झिंगुरदा,एके बाग, कंपनी जेसीसी सदस्यगण, स्पोर्ट्स प्रमोशन बोर्ड सदस्य एवं परियोजना जेसीसी सदस्य एवं विभागध्यक्ष, अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी सहित विद्यालय प्राचार्य, शिक्षक एवं अभिभावकगण उपस्थित रहे।

जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र की कार्यशाला आज

सिंगरौली । महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र ने बताया कि कि नगर निगम निकाय अंतर्गत हितग्राहियों,उद्यमियों, जनप्रतिनिधियों, बैंकर्स, गणमान्य नागरिक के लिए सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यम विभाग मध्यप्रदेश शासन की योजनाओं तथा नीतियों पर कार्यशाला सेमीनार का आयोजन कल 12 फरवरी को नगर पालिक निगम के सभागार में आयोजित किया जा रहा है। उन्होने शहरी क्षेत्र के हितग्राहियों, उद्यमियो, जनप्रतिनिधियों बैंकर्स, गणमान्य नागरिकों से अपील है कि निर्धारित समयानुसार कार्यशाला सेमीनार में अधिक से अधिक संख्या में भाग लेकर शासन द्वारा संचालित योजनाओ के संबंध में जानकारी प्राप्त कर योजनाओ का लाभ उठाए।

आग में जलकर दिव्यांग की मौत, झोपड़ी जलकर खाक

बगदरा पुलिस चौकी क्षेत्र के रेही गांव की घटना, कारण अज्ञात

सिंगरौली। जिले के चितरंगी तहसील अंतर्गत पुलिस चौकी बगदरा के ग्राम रेही में मंगलवार की देर रात एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बताया जा रहा है कि घास-फूंस से बनी झोपड़ी में आग लगने से एक दिव्यांग व्यक्ति की जिंदा जलकर मौत हो गई। घटना की जानकारी बुधवार सुबह सामने आने के बाद पूरे गांव में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान जगनारायण कोल पिता सूरज कोल उम्र 35 वर्ष के रूप में की गई है।

जानकारी के अनुसार, जगनारायण दिव्यांग था और चलने-फिरने में असमर्थ था। वह अपने घर से कुछ दूरी पर घास-फूंस की झोपड़ी बनाकर रहता था। मंगलवार रात वह झोपड़ी के पास आग ताप रहा था। उस समय उसके पिता सूरज कोल भी वहीं मौजूद थे। लेकिन कुछ देर बाद वे घर की ओर चले गए। इसी दौरान किसी अज्ञात कारण से झोपड़ी में आग लग गई। आग तेजी से फैल गई और दिव्यांग होने के कारण जगनारायण समय रहते बाहर नहीं निकल सका। झोपड़ी में फंसे रहने के कारण उसकी मौके पर ही जलकर मौत हो गई। आसपास के लोगों को जब तक घटना की जानकारी हुई। तब तक सब कुछ जलकर खाक हो चुका था। मामले की सूचना मिलते ही बगदरा चौकी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा कार्रवाई की।

इनका कहना है

यह घटना मंगलवार रात की है। प्रारंभिक जांच में आग तापने के दौरान आग लगने की आशंका जताई जा रही है। पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है और घटना के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

राहुल कुमार सैयाम
एसडीओपी, चितरंगी

अभिनेत्री के अलावा डॉक्टर बनीं श्रीलीला

अभिनेत्री श्रीलीला कई साल से मेडिकल की पढ़ाई के साथ-साथ फिल्मों में अभिनय भी कर रही थीं। अब जाकर उनकी मेहनत रंग लाई है। अब जाकर कई साल बाद आखिरकार उन्होंने मेडिकल की डिग्री हासिल कर ली है। अब वह आधिकारिक तौर पर एक डॉक्टर बन गई हैं।

करीब 6 साल तक फिल्मों में काम करने के साथ-साथ मेडिकल की पढ़ाई करने के बाद, उन्होंने मुंबई के डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है। 10 फरवरी को हुए ग्रेजुएशन समारोह की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी मेहनत देखकर बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं।

समारोह में श्रीलीला मैरून गाउन पहनकर मंच पर अपनी डिग्री लेती दिखीं। वे कतार में खड़ी रहीं, डिग्री मिलते ही परिवार को गले लगाया और खुशी से मुस्कुराईं। एक वीडियो में उन्हें और उनके बैचमेट्स को हिप्पोक्रेटिक ओथ (डॉक्टर की शपथ) लेते हुए भी दिखाया गया है। 2020 बैच के डॉक्टर बनने की घोषणा पर सबने खुशी मनाई।

करीब 6 साल तक फिल्मों में काम करने के साथ-साथ मेडिकल की पढ़ाई करने के बाद, उन्होंने मुंबई के डीवाई पाटिल यूनिवर्सिटी से एमबीबीएस की डिग्री हासिल की है। 10 फरवरी को हुए ग्रेजुएशन समारोह की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रही हैं। फैंस उनकी मेहनत देखकर बहुत गर्व महसूस कर रहे हैं। समारोह में श्रीलीला मैरून गाउन पहनकर मंच पर अपनी डिग्री लेती दिखीं। वे कतार में खड़ी रहीं, डिग्री मिलते ही परिवार को गले लगाया और खुशी से मुस्कुराईं। एक वीडियो में उन्हें और उनके बैचमेट्स को हिप्पोक्रेटिक ओथ (डॉक्टर की शपथ) लेते हुए भी दिखाया गया है। 2020 बैच के डॉक्टर बनने की घोषणा पर सबने खुशी मनाई।

श्रीलीला के फैंस उनके डिसिप्लिन से हैरान हैं। एक यूजर ने लिखा, फिल्मों में काम करते हुए मेडिकल कैसे पूरा किया? पासिंग मार्क्स भी मुश्किल से आते हैं, दूसरे ने लिखा, वाकई बहुत होशियार और मेहनती हैं, तो वहीं कुछ फैंस उन्हें डॉ. श्रीलीला कहकर बधाई दे रहे हैं।

श्रीलीला तेलुगु परिवार से हैं और बेंगलुरु में पली-बढ़ीं। उनकी मां स्वर्णलता बेंगलुरु में गायनेकोलॉजिस्ट (स्त्री रोग विशेषज्ञ) हैं। उन्होंने तेलुगु फिल्म चित्रांगदा से छोटा रोल किया, लेकिन मुख्य भूमिका कन्नड़ फिल्म किस से मिली। इसके अलावा श्रीलीला ने धमाका, भगवंत केसरी, गुंटूर कारम, रॉबिनहुड और मास जथारा जैसी फिल्मों में रवि तेजा, बालकृष्ण, महेश बाबू जैसे बड़े सितारों के साथ काम किया है। पुष्पा 2 के स्पेशल सॉन्ग किस्सिक में भी नजर आईं। अब हिंदी में अनुराग बसु की रोमांटिक फिल्म से कार्तिक आर्यन के साथ डेब्यू करने वाली हैं। पवन कल्याण के साथ उस्ताद भगत सिंह भी लाइन में हैं।

'यार ये मुझे देखता ही नहीं' जब कंगना रनौत ने अक्षय खन्ना से किया था फ्लर्ट, खुद किया कुबूल

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय खन्ना लगभग तीन दशकों से हिंदी फिल्म इंडस्ट्री का हिस्सा हैं। लेकिन दिसंबर में फिल्म 'धुरंधर' रिलीज होने के बाद वह पहले से कहीं ज्यादा चर्चा में आ गए। इसी बीच उनसे जुड़ा एक पुराना वीडियो फिर से सुर्खियां बटोर रहा है। हालांकि यह वीडियो अक्षय खन्ना का नहीं, बल्कि कंगना रनौत का है, जिसमें वह अक्षय के बारे में बात कर रही हैं।

कंगना का यह वायरल वीडियो साल 2010 का है। जब कंगना रनौत, अनिल कपूर और संजय दत्त के साथ करण जौहर के चैट शो 'कॉफी विद करण' में पहुंची थीं। शो के दौरान जब करण जौहर ने कंगना से पूछा कि क्या उन्होंने कभी किसी से फ्लर्ट किया और सामने से कोई रिएक्शन नहीं मिला, तो कंगना ने अक्षय खन्ना का नाम लिया। यह सुनकर सब हंस पड़े। संजय दत्त हैरान भी रह गए, जबकि अनिल कपूर ने कहा, 'हां, इसने मुझे बताया था। यह कह रही थी- यार ये मुझे देखता ही नहीं है।'

इस पर कंगना ने आगे कहा, 'मैंने उनसे बात करने की कोशिश की, फिर सोचा थोड़ा फ्लर्ट करूं। लेकिन उन्होंने कभी मुझसे बात ही नहीं की।' जब करण ने पूछा कि ऐसा क्यों, तो कंगना ने जवाब दिया, 'वो किसी से बात ही नहीं करते।' इस पर अनिल कपूर ने मुस्कुराते हुए कहा, 'वो मुझसे बहुत अच्छे से बात करते हैं। वो मेरे छोटे भाई जैसे हैं।'

साल 2010 में कंगना रनौत और अक्षय खन्ना पहली बार अनीस बज्मी की एक्शन-कॉमेडी फिल्म 'नो प्रॉब्लम' में साथ नजर आए थे। फिल्म भले ही बड़ी हिट नहीं रही, लेकिन दोनों की मौजूदगी ने स्क्रीन पर अलग ही रंग जमा दिया था। वर्कफ्रंट की बात करें, तो अक्षय खन्ना की आगामी फिल्म 'इक्का' है, जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ये एक थ्रिलर मूवी है। इसमें उनके साथ लीड रोल में सनी देओल नजर आएंगे।

वहीं, कंगना रनौत इस समय बतौर सांसद सक्रिय हैं। उन्होंने अभिनय करना भी छोड़ा नहीं है। वे आखिरी बार फिल्म इमरजेंसी में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का किरदार निभाती नजर आई थीं। इसके अलावा भी वह कुछ फिल्म प्रोजेक्ट्स पर काम रही हैं। जिन्हें लेकर अभी अधिक जानकारी सामने नहीं आई हैं।

संजय दत्त ने शादी की सालगिरह पर पत्नी पर लुटाया प्यार, तस्वीरें शेयर कर लिखी दिल की बात

संजय दत्त इन दिनों फिल्म धुरंधर और द राजा साब में अदाकारी करने को लेकर सुर्खियों में हैं। इस बीच उन्होंने अपनी शादी की 18वीं सालगिरह के मौके पर अपनी पत्नी के साथ कई बेहतरीन तस्वीरें शेयर की हैं। इसके साथ उन्होंने अपनी पत्नी के लिए एक प्यारा नोट लिखा है। अपने शहर के ई-पेपर, सभी ताज़ा खबरों और ऐड फ्री अनुभव के लिए अमर उजाला प्रीमियम सब्सक्राइब करें संजय दत्त ने पत्नी के साथ इंस्टाग्राम पर जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने अपनी पत्नी के साथ कई पोज दिए हैं। एक तस्वीर में वह अपने बच्चों के साथ नजर आ रहे हैं। तस्वीरों के साथ संजय दत्त ने कैप्शन में लिखा है सालगिरह की शुभकामनाएं। आप हमेशा मेरी जिंदगी में मेरी ताकत रही हैं। आप हर सुख-दुख में चट्टान की तरह मेरे साथ खड़ी रहीं हैं। जब मैं गिरा तो आपने मुझे उठाया है। आपने मुझे सबसे प्यारे बच्चे दिए हैं। हम एक टीम के रूप में जिंदगी की हर चुनौती में एक साथ खड़े हैं। मेरे साथ रहने और मेरा ख्याल रखने के लिए धन्यवाद। दुआ है कि हम एक-साथ अच्छे पल बिताएं। लव यू मां, जय भोले नाथ। आपको बता दें कि लगभग दो वर्षों तक डेटिंग करने के बाद संजय दत्त ने मान्यता दत्त से 2008 में शादी की थी। 2010 में उन्होंने जुड़वा बच्चों, एक लड़की और एक लड़के का स्वागत किया था। संजय दत्त की यह दूसरी शादी है। पहले उन्होंने 1987 में अभिनेत्री ऋचा शर्मा से शादी की थी। 1996 में उनका निधन हो गया।

हम बहुत संवेदनशील हो गए', नाम बदलने के फैसले के बाद 'घूसखोर पंडित' विवाद पर मनोज बाजपेयी ने दी प्रतिक्रिया

नेटफ्लिक्स पर आने वाली मनोज बाजपेयी की आगामी फिल्म 'घूसखोर पंडित' अपनी घोषणा के बाद से ही विवादों में घिरी है। फिल्म के नाम को लेकर ब्राह्मण समुदाय और एफडब्ल्यूआईसीई ने आपत्ति जताई और रिलीज पर रोक लगाने की मांग की थी। जब मामला कोर्ट में पहुंचा तब मेकर्स ने फिल्म का नाम बदलने का फैसला किया। अब इस पूरे मामले में मनोज बाजपेयी की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। डेक्कन क्रॉनिकल से बात करते हुए फिल्म के लीड एक्टर मनोज बाजपेयी ने विवाद पर अपनी राय रखी। उन्होंने कहा, 'हमारा देश बहुत संवेदनशील हो गया है। हम हमेशा तनाव में रहते हैं, छोटी-छोटी बातों पर भड़क उठते हैं और व्यक्तिगत रूप से अपशब्दों का प्रयोग करने लगते हैं। अब फिल्म के शीर्षक में इन सभी बातों का ध्यान रखा जा रहा है।' इससे पहले नेटफ्लिक्स पर फिल्म की घोषणा के बाद से ही इसको लेकर विवाद शुरू हो गया था। देश के अलग-अलग हिस्सों में ब्राह्मण समुदाय के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। वहीं कोर्ट में भी फिल्म के टाइटल को लेकर इसे भड़काऊ और ब्राह्मणों का अपमान करने वाला बताते हुए याचिका दायर की गई। इसमें फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की बात कही गई। हालांकि, बीते दिन दिल्ली हाईकोर्ट में हुई सुनवाई में ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने कोर्ट को बताया कि मेकर्स फिल्म के नाम में बदलाव करने को तैयार हैं। मेकर्स की ओर से आश्वस्त किया गया कि प्रमोशनल सामग्री पहले ही हटा ली गई है और फिल्म का नाम भी बदल दिया जाएगा। इसके बाद कोर्ट ने मामले का निपटारा कर दिया। हालांकि, अभी तक फिल्म के नए नाम की घोषणा नहीं की गई है। नीरज पांडे द्वारा निर्मित 'घूसखोर पंडित' में मनोज बाजपेयी प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा फिल्म में नुसरत भरूचा, साकिब सलीम, श्रद्धा दास, अक्षय ओबेरॉय और कीकू शारदा भी अहम भूमिकाओं में दिखाई देंगे।

69 साल की उम्र में एक्शन करते दिखे अनिल कपूर, 'सूबेदार' का टीजर हुआ रिलीज

फिल्म के टीजर की शुरुआत अनिल कपूर और फैसल मलिक के सीन से होती है। टीजर में दिखाया जाता है कि अनिल कपूर के आसपास कुछ ऐसा होता है, जिससे उन्हें गुस्सा आता रहता है। लेकिन वो उस पर काबू करते रहते हैं। लेकिन अंत में उनका गुस्सा फूट जाता है और वो एक्शन मोड में नजर आते हैं। टीजर देखकर ऐसा लगता है कि कहानी बुंदेलखंडी पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। टीजर में अनिल कपूर की आवाज में बुंदेलखंडी में डायलॉग भी सुनाई देता है। जिसमें वो कहते हैं कि 'लाला हमसे न भिड़ियो', जिसका मतलब है कि 'बेटा हमसे न टकराना।'

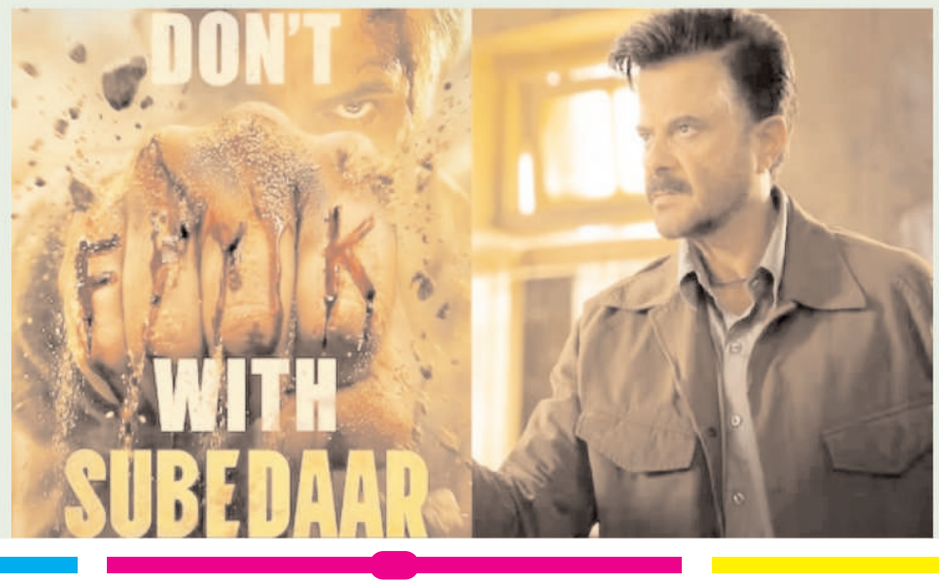

बॉलीवुड के एवर यंग एक्टर अनिल कपूर अब 69 साल की उम्र में एक्शन अवतार में वापसी कर रहे हैं। उनकी आगामी फिल्म 'सूबेदार' का टीजर आज रिलीज हुआ है। इसके साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी है।

फिल्म के टीजर की शुरुआत अनिल कपूर और फैसल मलिक के सीन से होती है। टीजर में दिखाया जाता है कि अनिल कपूर के आसपास कुछ ऐसा होता है, जिससे उन्हें गुस्सा आता रहता है। लेकिन वो उस पर काबू करते रहते हैं।

लेकिन अंत में उनका गुस्सा फूट जाता है और वो एक्शन मोड में नजर आते हैं। टीजर देखकर ऐसा लगता है कि कहानी बुंदेलखंडी पृष्ठभूमि पर आधारित होगी। टीजर में अनिल कपूर की आवाज में बुंदेलखंडी में डायलॉग भी सुनाई देता है। जिसमें वो कहते हैं कि 'लाला हमसे न भिड़ियो', जिसका मतलब है कि 'बेटा हमसे न टकराना।' टीजर के साथ ही मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट भी जारी कर दी है। 'सूबेदार' 5 मार्च को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर रिलीज होगी। फिल्म की कास्ट और कहानी के बारे में अभी तक ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है।

फिलहाल फैंस अनिल कपूर को इस नए अवतार में देखने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अनिल कपूर के खाते में कई फिल्में शामिल हैं।

'सूबेदार' के अलावा उनकी आगामी फिल्मों व सीरीज में 'अल्फा', 'किंग' और 'फैमिली बिजनेस' शामिल हैं। इसके अलावा उनके 'नायक 2' बनाने की भी चर्चाएं हैं। हाल ही में अनिल कपूर अपनी बेटी सोनम कपूर के बेबी शॉवर में नजर आए थे।

खिरकिया में महाशिवरात्रि पर निकलेगी 21वीं भव्य शोभायात्रा, राधाकृष्ण मंदिर से शाम 4 बजे होगी शुरुआत

शिवभक्त सेवा समिति के तत्वावधान में आकर्षक झांकियां, बैंड-बाजे, डीजे और ढोल-नगाड़ों के साथ निकलेगा चल समारोह – नगरवासियों से अधिक से अधिक सहभागिता की अपील

खिरकिया। नगर में महाशिवरात्रि पर्व को लेकर वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो चुका है। मंदिरों में विशेष साज-सज्जा की जा रही है, शिवालयों में साफ-सफाई और रोशनी की व्यवस्थाएं की जा रही हैं तथा श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ की आराधना में जुट गए हैं। इसी कड़ी में शिवभक्त सेवा समिति, खिरकिया के तत्वावधान में इस वर्ष भी महाशिवरात्रि महोत्सव के अवसर पर भव्य शोभायात्रा (चल समारोह) का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन समिति द्वारा लगातार 21वें वर्ष किया जा रहा है, जो नगर की धार्मिक परंपरा और सामाजिक एकजुटता का प्रतीक बन चुका है। समिति द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार शोभायात्रा का शुभारंभ नगर के प्राचीन राधाकृष्ण मंदिर परिसर से शाम 4 बजे विधिवत पूजा-अर्चना के साथ किया जाएगा। प्रारंभ में भगवान शिव, माता पार्वती, श्रीगणेश और कार्तिकेय की प्रतिमाओं का पूजन कर महाआरती की जाएगी, जिसके पश्चात शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से भ्रमण करेगी। यात्रा में भगवान शिव की आकर्षक एवं मनमोहक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। झांकियों में कैलाश पर्वत की झलक, समुद्र मंथन, शिव-तांडव और विभिन्न पौराणिक प्रसंगों का सजीव चित्रण किया जाएगा। शोभायात्रा में डीजे की धुनों पर गूंजते शिव भजनों, ढोल-नगाड़ों और बैंड-बाजों की स्वर लहरियों के बीच सैकड़ों की संख्या में शिवभक्त हर-हर महादेव और बम-बम भोले के जयघोष के साथ शामिल होंगे। युवा, महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग सभी पारंपरिक वेशभूषा में यात्रा की शोभा बढ़ाएंगे। समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए पानी, प्रसाद और प्राथमिक चिकित्सा की भी व्यवस्था की जा रही है। नगर के मुख्य मार्गों से गुजरने वाली यह शोभायात्रा पूरे शहर को भक्तिरस में सराबोर कर देगी। मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों द्वारा पुष्पवर्षा कर शोभायात्रा का स्वागत किया जाएगा। कई स्थानों पर स्वागत मंच भी बनाए जा रहे हैं, जहां से भक्तगण भगवान शिव की झांकियों के दर्शन कर सकेंगे। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि यह आयोजन केवल धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक एकता का भी प्रतीक है। पिछले दो दशकों से अधिक समय से यह परंपरा निरंतर चली आ रही है, जिसमें हर वर्ष नगरवासियों का उत्साह और सहभागिता बढ़ती जा रही है। समिति ने प्रशासन से आवश्यक सहयोग एवं सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है ताकि आयोजन शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित ढंग से संपन्न हो सके। महाशिवरात्रि के अवसर पर मंदिरों में रात्रि जागरण, भजन-कीर्तन, रुद्राभिषेक और विशेष पूजन-अर्चन का कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

श्रद्धालु दिनभर उपवास रखकर भगवान शिव की आराधना करेंगे और रात्रि में चार प्रहर की पूजा करेंगे। शिवभक्त सेवा समिति ने समस्त नगरवासियों से अपील की है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर शोभायात्रा को सफल बनाएं और धार्मिक उल्लास के इस पावन पर्व में सहभागी बनें। निश्चित रूप से खिरकिया में महाशिवरात्रि पर निकलने वाली यह भव्य शोभायात्रा श्रद्धा, भक्ति, उत्साह और सामाजिक एकता का अद्भुत संगम सिद्ध होगी। हर-हर महादेव के जयघोष से गूंजता नगर शिवमय वातावरण में सराबोर नजर आएगा।

नारी शक्ति की सुरक्षा सर्वोपरि: तस्करी रोकथाम और पुनर्वास पर सख्त कदम जरूरी : राज्यसभा सांसद माया नारोलिया

महिला सशक्ति करण संसदीय समिति की बैठक में उठे ठोस सुझाव, सुधा मूर्ति की अध्यक्षता में 'महिलाओं व बालिकाओं की तस्करी' पर विस्तृत मंथन

नर्मदापुरम।महिलाओं और बालिकाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए राज्यसभा सांसद श्रीमती माया नारोलिया ने कहा कि मानव तस्करी जैसे जघन्य अपराध पर केवल कानून बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन और समन्वित प्रयास आवश्यक हैं। महिला सशक्तिकरण संबंधी संसदीय समिति की महत्वपूर्ण बैठक में यह मुद्दा प्रमुखता से उठा, जिसमें तस्करी की रोकथाम, पीड़ितों की सुरक्षा और सम्मानजनक पुनर्वास पर गंभीर चर्चा की गई।

महिला सशक्तिकरण संबंधी संसदीय समिति की इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता प्रख्यात समाजसेवी एवं राज्यसभा सांसद श्रीमती सुधा मूर्ति ने की। बैठक का मुख्य विषय था — महिलाओं और लड़कियों की तस्करी-पीड़ितों की रोकथाम, सुरक्षा एवं पुनर्वास। देशभर में बढ़ती मानव तस्करी की घटनाओं और इससे प्रभावित परिवारों की स्थिति को ध्यान में रखते हुए समिति ने इस गंभीर विषय पर व्यापक मंथन किया।

बैठक में गृह मंत्रालय तथा महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने समिति के समक्ष विस्तृत प्रस्तुति दी। अधिकारियों ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा तस्करी रोकने के लिए कई स्तरों पर अभियान चलाए जा रहे हैं, जिनमें विशेष रेस्क्यू ऑपरेशन, अंतरराज्यीय समन्वय, हेल्पलाइन सेवाएं, आश्रय गृहों की व्यवस्था और पुनर्वास योजनाएं शामिल हैं। पीड़ित महिलाओं और बालिकाओं को कानूनी सहायता, परामर्श, कौशल प्रशिक्षण और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में भी प्रयास किए जा रहे हैं।

समिति की सदस्य के रूप में श्रीमती माया नारोलिया ने अपने विचार रखते हुए कहा कि मानव तस्करी केवल कानून-व्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि सामाजिक जागरूकता और सामूहिक जिम्मेदारी का विषय भी है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि राज्यों के बीच बेहतर समन्वय, सीमावर्ती क्षेत्रों में सतर्कता और ग्राम स्तर तक जागरूकता अभियान चलाना बेहद जरूरी है।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि स्कूलों और कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएं, ताकि किशोरियों और युवतियों को संभावित खतरों के प्रति सचेत किया जा सके। साथ ही, पीड़ितों के पुनर्वास के लिए केवल आर्थिक सहायता ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सहयोग और सामाजिक स्वीकार्यता भी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

बैठक में उपस्थित अन्य सदस्यों ने भी एकमत से कहा कि तस्करी जैसे संगठित अपराधों पर कठोर कार्रवाई के साथ-साथ दोषियों को शीघ्र सजा दिलाने की प्रक्रिया को तेज किया जाना चाहिए। समिति ने संबंधित मंत्रालयों को निर्देश दिए कि इस दिशा में जवाबदेही तय करते हुए ठोस और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। बैठक का निष्कर्ष स्पष्ट रहा — देश की हर बेटी की सुरक्षा सर्वोपरि है, और जब तक अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला सुरक्षित नहीं होगी, तब तक सशक्तिकरण का उद्देश्य अधूरा रहेगा। संसदीय समिति ने भरोसा जताया कि केंद्र और राज्य सरकारों के संयुक्त प्रयासों से मानव तस्करी पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित किया जा सकेगा और पीड़ितों को सम्मानजनक जीवन की मुख्यधारा से जोड़ा जा सकेगा।

उत्तानपादासन पेट और प्राणशक्ति को जागृत करने वाला प्रभावी योगाभ्यास है: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। उत्तानपादासन के लाभ - यह आसन पेट की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। पाचन तंत्र को सक्रिय कर गैस, अपच और कब्ज में लाभ देता है। निचले पेट की अतिरिक्त चर्बी कम करने में सहायक है। उदर अंगों–आमाशय, यकृत और आंतों–को सुदृढ़ करता है। रक्त संचार को संतुलित करता है। जांघों और पैरों की मांसपेशियों को शक्ति प्रदान करता है। कमर दर्द में लाभकारी (सही विधि से करने पर)। नाभि के संतुलन में सहायक माना जाता है। अग्नि तत्त्व को जाग्रत कर भूख बढ़ाता है। मधुमेह नियंत्रण में सहायक अभ्यास के रूप में उपयोगी। शरीर की सहनशक्ति और संतुलन बढ़ाता है। मानसिक एकाग्रता को विकसित करता है। थकान और आलस्य को दूर करता है। पेट व श्रोणि क्षेत्र में रक्त प्रवाह बढ़ाता है। प्रजनन अंगों के स्वास्थ्य के लिए लाभकारी। रीढ़ की हड्डी को स्थिरता देता है। यह आसन नियमित अभ्यास से शरीर को सुडौल और सशक्त बनाता है। उत्तानपादासन केवल पैरों को उठाने का अभ्यास नहीं, बल्कि यह पेट, पाचन और प्राणशक्ति को जागृत करने वाला संपूर्ण स्वास्थ्य साधन है। इंडस गार्डन फेज एक कॉलोनी बाबड़िया कलां भोपाल के योग साधक भाई बहन योग गुरु महेश अग्रवाल के मार्गदर्शन में योग अभ्यास उत्तानपाद आसन करते हुए।

होलसेल रेडीमेड एसो. ने किया चैंबर के पदाधिकारियों का भव्य स्वागत

भोपाल। आज होलसेल रेडीमेड एसो ने चैंबर आफ कॉमर्स के नवनिर्वाचित अध्यक्ष एवं पदाधिकारी व कार्यकारिणी का स्वागत एवं सम्मान किया। कार्यक्रम में भारत माता के चित्र के सामने सभी अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलन किया गया चैम्बर के अध्यक्ष श्री गोविंद गोयल जी का माला तिलक साफा शाल एवं स्मृति चिन्ह से एसो के अध्यक्ष अशोक माता संस्थापक अध्यक्ष मनोज बांगा उपाध्यक्ष गुरुमुख चावला सचिव मनोज जैन आर एम कोषाध्यक्ष अनुज जैन ने किया इसके साथ ही चैंबर के उपाध्यक्ष सर्व श्रीअरविंद सुपारी , कमल पंजवानी , आदित्य मान्या , महा मंत्री श्री ललित जी तातेड, मंत्री श्री संजीव गेहूं कोषाध्यक्ष श्री प्रदीप सेवानी , सह कोषाध्यक्ष श्री गोपाल सोनी , अतिरिक्त कोषाध्यक्ष श्रीअजय गुप्ता जी का स्वागत एसो के विष्णु अग्रवाल , मनीष बांगा संजय मनवानी आदि ने माला पहनाकर किया एवं चैंबर के कार्यकारिणी सदस्य सर्व श्री सोनू भाभा, अनिल मिश्रा , मनोज साहू , आदित्य सिंघाई अमित ष्ठ्य अनुराग पवैया ,रामेश्वर अग्रवाल , सचिन मांगतानी, नवीन अग्रवाल , आयुष मोदी , अखिलेश मित्तल, दिनेश बतरा स्मित जैन, सुशील बाफना दर्शन अग्रवाल जवाहर कोटवानी का स्वागत किया गया। एसो के सचिव ने पार्किंग की समस्या सहित अन्य समस्या का जिक्र किया। संस्था के अध्यक्ष अशोक माता ने स्वागत भाषण किया। इसके बाद चैंबर के मंत्री ललित तातेड एवं अध्यक्ष गोविंद गोयल के द्वारा अपना उद्बोधन दिया। सभा का संचालन एसो के सचिव मनोज जैन आर एम ने किया।

एक हर बच्चे में होती है नैसर्गिक प्रतिभा, उसे पहचान कर निखारने की है जरूरत : कलेक्टर

ब्रेन चाइल्ड एकेडमी स्कूल के वार्षिकोत्सव में हुए कलेक्टर शामिल

मंडला। जिला कलेक्टर श्री सोमेश मिश्रा ने कहा कि हर बच्चे में एक विशेष नैसर्गिक प्रतिभा होती है उसे पहचानकर निखारने की जरूरत है।मैं अभिभावकों से अनुरोध करता हूँ कि शिक्षकों के सहयोग से उसे पहचानकर तराशने का कार्य करें।बच्चों पर पढ़ाई का अतिरिक्त बोझ न डालें,पढ़ाई के अलावा भी बहुत से ऐसे क्षेत्र हैं जिनमें बच्चे अपने टैलेंट के बल पर अपना कैरियर बना सकते हैं।यह बात उन्होंने ब्रेन चाइल्ड स्कूल के वार्षिकोत्सव में उपस्थित होकर कही।

जिला कलेक्टर श्री मिश्रा ने स्कूल की वार्षिक उत्सव आयोजन समिति की सराहना करते हुए कहा कि आज का यह उत्सव उड़ान 2026 अपने आप में यूनिक है।आज आपने यहाँ देखा कि भारत रत्न स्वर कोकिला लता मंगेशकर, अभिनेता धर्मेंद्र और पीयूष पाण्डे के जीवन को यहाँ प्रदर्शित किया गया।इन महान हस्तियों ने अपने टैलेंट के बल पर विश्व में अपना नाम बनाया। उन्होंने अभिभावकों से अपील करते हुए कहा है आप बच्चों के हुनर को तराशें,उन्हें पंख दें,यही पंख आगे चलकर उनकी उड़ान में मदद करेगा।वार्षिक उत्सव में स्कूल के बच्चों ने मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।इस दौरान एसडीएम मंडला श्रीमती सोनल सिडाम,एसीईओ जिला पंचायत श्री विनोद मरावी,ब्रेन चाइल्ड एकेडमी स्कूल के डायरेक्टर निशांत शुक्ला, प्रिंसिपल दिव्या शुक्ला सहित स्कूल के समस्त स्टॉफ एवं बड़ी संख्या में बच्चों के अभिभावकगण मौजूद रहे।

पॉवर ग्रिड के प्रतिनिधि मंडल के साथ एमपी ट्रांसको की उच्च स्तरीय बैठक

भोपाल। मध्यप्रदेश में ट्रांसमिशन परियोजनाओं के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको), भारत सरकार के उद्यम, पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य करेगी। इस संबंध में आपसी सहमति जबलपुर शक्ति भवन में आयोजित एमपी ट्रांसको के प्रबंध संचालक श्री सुनील तिवारी तथा पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, वेस्टर्न रीजनङ्क2 के मुख्य महाप्रबंधक एवं रीजनल हेड श्री आर.के. गुप्ता की उपस्थिति मे हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में बनी। प्रबंध संचालक श्री तिवारी ने कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में ट्रांसमिशन नेटवर्क का विस्तार राइट ऑफ वे (आरओडब्ल्यू) तथा फॉरेस्ट अप्रूवल से जुड़ी चुनौतियों के कारण अत्यंत कठिन हो गया है। इसके बावजूद एमपी ट्रांसको, पॉवर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के साथ समन्वय एवं सहयोग बनाए रखते हुए कार्य करेगी, ताकि राष्ट्र निर्माण में दोनों ट्रांसमिशन यूटिलिटीज़ की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित हो सके। पॉवर ग्रिड के सीजीएम श्री गुप्ता ने मध्यप्रदेश में ट्रांसमिशन नेटवर्क विस्तार के लिए एमपी ट्रांसको से मिल रहे सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पॉवर ग्रिड भी राज्य में संचालित सभी परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे देश में तेजी से बढ़ रहे बिजली उत्पादन का समयबद्ध ट्रांसमिशन सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में पॉवर ग्रिड द्वारा किए जा रहे विभिन्न ट्रांसमिशन निर्माण कार्यों तथा भविष्य की योजनाओं पर भी विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

मुख्यमंत्री को लघु उद्योग निगम संचित लाभ में से लाभांश करेगा भेंट

भोपाल। मध्यप्रदेश लघु उद्योग निगम अपने संचित लाभ में से जल्द ही मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को लाभांश के रूप में राशि भेंट करेगा। एमएसएमई मंत्री एवं निगम के अध्यक्ष श्री चेतन्य कुमार काश्यप की अध्यक्षता में मंगलवार को निगम के मुख्यालय पंचानन भवन में हुई संचालक मंडल की 294वीं बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में प्रमुख सचिव, एमएसएमई, श्री राघवेंद्र कुमार सिंह और निगम के प्रबंध संचालक श्री दिलीप कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। बैठक में पिछली बैठक के कार्यवाही विवरण और पालन प्रतिवेदन की पुष्टि की गई। इस दौरान आडिट रिपोर्ट की समीक्षा भी गई। बैठक में निर्णय लिया गया है कि निगम अपनी आय बढ़ाने के लिए आगामी वित्त वर्ष में बड़ी मात्रा में कार्य आदेश जारी करेगा। संचालक मंडल ने प्रबंध संचालक से कहा है कि वे कर्मचारी चयन मंडल से समन्वय कर प्रबंधक आदि के रिक्त पदों पर भर्ती सुनिश्चित करवाएं। इस दौरान रैंप गतिविधियों की अद्यतन स्थिति से संचालक मंडल को अवगत करवाया गया। इस दौरान निगम के अधिकारियों और कर्मचारियों को मध्यप्रदेश शासन के समान देय यात्रा भत्ता की दरों को लागू किए जाने का भी निर्णय लिया गया। इस दौरान अनेक वर्षों के लेखों का अनुमोदन किया गया।

किसानों को दी जा रही आधुनिक कृषि यंत्रों की जानकारी

भोपाल। राज्य शासन के निर्देशानुसार कृषक कल्याण वर्ष-2026 के तहत प्रदेश में कृषि रथों का भ्रमण जारी है। इसी क्रम में नरसिंहपुर जिले के सभी 6 विकासखंडों में कृषि रथ चलाया जा रहा है। जिले के किसानों को ई-विकास प्रणाली (ई-टोकन उर्वरक वितरण), आधुनिक कृषि यंत्रों और उन्नत खेती आदि की जानकारी दी जा रही है। कृषि विभाग द्वारा कृषि रथ के माध्यम से किसानों को जागरूक भी किया जा रहा है।

कृषि रथ के माध्यम से किसानों को जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों का विस्तार, मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने, विभागीय कृषि योजनाओं का प्रचार-प्रसार, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था और पराली प्रबंधन की जानकारी दी गई। किसानों को नरवाई (फसल अवशेष) प्रबंधन के लिए आधुनिक यंत्रों जैसे सुपर सीडर, हैप्पी सीडर, जीरो टिलेज सीड कम फर्टिलाइजर ड्रिल, स्ट्रॉ रीपर और रीपर कम बाइंडर की तकनीकी जानकारी दी गई। किसानों को जानकारी दी गई कि सुपर सीडर और हैप्पी सीडर जैसे यंत्र खेत की तैयारी, नरवाई प्रबंधन और बोनी जैसे तीन काम एक साथ करते हैं। इन यंत्रों के उपयोग से न केवल समय और लागत की बचत होती है, बल्कि पैदावार भी अच्छी मिलती है। उन्होंने किसानों को समझाइश दी गई कि नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरा शक्ति नष्ट होती है और वायु प्रदूषण फैलता है। नरवाई न जलाकर उसे खाद के रूप में उपयोग करना ही श्रेष्ठ है। रतलाम जिले में कृषि रथ के माध्यम से कृषि एवं संबद्ध विषयों जैसे उद्यानिकी, पशुपालन, आत्मा, मत्स्य पालन आदि पर किसानों एवं कृषि वैज्ञानिकों के मध्य सीधा संपर्क कायम कर नवीन एवं वैज्ञानिकी तकनीकी सुधार की जानकारी कृषकों को दी जा रही है। कृषि रथ द्वारा किसानों को जिले के विभिन्न ग्रामों में जैविक खेती एवं प्राकृतिक कृषि क्षेत्रों का विस्तार, पराली न जलाने, मृदा स्वास्थ्य कार्ड, एकीकृत पोषक तत्व, कीट एवं रोग प्रबंधन, कृषि को लाभकारी व्यवसाय बनाने के उपाय, फसल विविधीकरण को बढावा देने, प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना, ई-विकास प्रणाली अंतर्गत ई-टोकन उर्वरक वितरण व्यवस्था आदि के संबंध में जानकारी दी गई।

एसीसी सीमेंट पर 2.3 करोड़ का जुर्माना, पर्यावरणीय नियमों की उड़ाई धज्जियां

भोपाल। MP SEIAA ने ACC Limited पर बिना वैध पर्यावरणीय मंजूरी के खनन करने पर 2.30 करोड़ का जुर्माना लगाया है। कंपनी ने 2014 से 2018 के बीच नियमों का जमकर उल्लंघन किया। समिति ने पर्यावरणीय क्षति का आकलन कर 100 प्रतिशत पेनल्टी और कानूनी कार्रवाई की सिफारिश की है। एसीसी लिमिटेड पर 2.3 करोड़ का जुर्माना लगाया गया है। यह जुर्माना कंपनी द्वारा पर्यावरणीय नियमों की अनदेखी करने के कारण लगा है। मामला कटनी जिले की बदारी लाइमस्टोन खदान का है। यहां खनन कार्य करते हुए एसीसी ने पर्यावरणीय मंजूरी के हस्तांतरण में गंभीर लापरवाही बरती। और जमकर खुदाई करती रही। एसीसी सीमेंट कंपनी पर पर्यावरणीय अनुमतियों की अनदेखी के मामले में जुर्माना आदेश सिया की तीन सदस्यीय समिति ने दिया। इस समिति में सिया अध्यक्ष शिव नारायण सिंह चौहान, सदस्य सचिव दीपक आर्य व सदस्य डॉ सुनंदा सिंह रघुवंशी शामिल हैं। इस समिति ने जांच रिपोर्ट के आधार पर सीमेंट कंपनी पर जुर्माने की कार्यवाही की है।

पर्यावरणीय मंजूरी की लापरवाही, बढ़ाया जुर्माना

जानकारी के अनुसार यह विवाद पर्यावरणीय मंजूरी के हस्तांतरण में लापरवाही से शुरू हुआ। एसीसी लिमिटेड ने 2014 से 2018 तक बिना वैध श्रेष्ट के खनन कार्य जारी रखा। यह कार्य नियमों के खिलाफ था और इसके कारण उन्हें ?2.3 करोड़ का जुर्माना भरना पड़ेगा। SEIAA ने जुर्माने की गणना के लिए CPCB के पर्यावरण मुआवजा फॉर्मूले का इस्तेमाल किया। फार्मूला के अनुसार खनन कार्य के दौरान 65,611 मीट्रिक टन खनिज निकाला गया था, जिसके आधार पर 2.3 करोड़ का जुर्माना तय किया गया है।

बड़ी चूक, खदान के भीतर खदान

इस मामले में एक और चूक एसीसी द्वारा खदानों के बीच तालमेल न बैठाने की थी। एसीसी ने अपनी बड़ी खदानों में बदारी खदान को एकीकृत नहीं किया, जिससे नियमों का उल्लंघन हुआ। बता दें कि एसीसी ने 2009 से 2014 तक खनन कार्य भी बिना पर्यावरणीय मंजूरी के किया गया था। इस मामले में भी भविष्य में और जुर्माना लगाया जा सकता है।

स्वामी प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक विनोद सिंह तोमर द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप 11 कॉम्प्लेक्स एमपी नगर जोन-1 भोपाल (म.प्र) से मुद्रित एवं 87, पुट्ठामिट गेट के सामने, छोला रोड, जिला भोपाल, मध्य प्रदेश से प्रकाशित।
संपादक : विनोद सिंह तोमर मो. 7067515898, स्थानीय- संपादक संजय सक्सेना RNI NO. MPHIN/2015/61965 (सभी विवादों का न्यायालयीन क्षेत्र भोपाल न्यायालय के अंतर्गत ही मान्य होगा।)